वार्षिक प्रतिवेदन
2021–2022

सर्वभूतहिते रताः

डॉ. रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
आर्डवैल कैम्प, मल्लीताल, नैनीताल

वार्षिक प्रतिवेदन

2021–22

डा0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी,
नैनीताल
फोन : 05942–235011 / 236149 / 236068
फैक्स : 05942–237642

प्राक्कथन एवं आभार

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021–22 आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है। उत्तराखण्ड शासन द्वारा 'डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' को राज्य के शीर्षस्थ संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। वर्तमान समय में, अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण के माध्यम से गुणवत्ता विकास हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि, उत्तराखण्ड शासन की प्राथमिकताओं एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु, उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत कार्यरत् अधिकारियों एवं कार्मिकों को दक्ष बनाने के उद्देश्य के साथ, अकादमी में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों व अन्य गतिविधियों में तद्नुसार निरन्तर बेहतर किए जाने के प्रयास अकादमी स्तर पर किये जा रहे हैं, जिससे कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सार्थक बनाया जा सके।

भारत सरकार द्वारा कोविड–19 के संम्बध में जारी आदेश का कड़ाई से पालन करते हुए अकादमी द्वारा गहन विचार विमर्श के फलस्वरूप सूक्ष्म स्तर पर की प्रत्येक गतिविधि के संचालन हेतु विस्तृत मानक प्रचालन प्रक्रिया तैयार की गई जिसका परिपालन करते हुए प्रशिक्षण गतिविधियां प्रारंभ की गईं। जिस क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के परिवीक्षाधीन आई0ए0एस0 अधिकारियों हेतु 'उन्नीसवॉ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम', आई0एफ0एस0 अधिकारियों हेतु बारहवाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वर्ष 2021–22 में नियमित संकाय सदस्यों की अल्प संख्या एवं कोविड की विषम परिस्थिति के बावजूद अकादमी, डी0एम0सी0 एवं सी0जी0जी0 के अन्तर्गत कुल 73 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों का आयोजन किया गया। कोविड–19 की परिस्थितियों के दृष्टिगत इसमें से कुछ कार्यक्रम ऑनलाइन भी आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उत्तराखण्ड एवं देश के कुल 2189 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इसमें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, उत्तराखण्ड सरकार के विभिन्न विभागों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित हैं। गत वित्तीय वर्ष में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, के सहयोग से संचालित कॉमिट परियोजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न जनपदों में कार्यरत 499 कार्मिकों को भी ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह भी उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के क्रम में विस्तृत मानक प्रचालन प्रक्रिया (Standard operating Procedure) निर्मित करते हुए कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमी परिसर में ही (Face to Face) तथा कुछ कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किये गये। प्रदेश में विधान सभा चुनाव होन के कारण जनवरी तथा फरवरी माह में निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन नही किया जा सका।

राजपत्रित श्रेणी के अंतर्गत अकादमी में आयोजित किए जाने वाले सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संदर्भ में आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त अर्थ एवं संख्याधिकारियों को पदस्थापना से पूर्व समस्त आवश्यक

प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विषयों के सन्दर्भ में ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि के लिए चौवालिसवाँ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा अराजपत्रित श्रेणी में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियन्ताओं हेतु उन्चासवॉ तथा पचासवॉ सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम सन्दर्भित वर्ष में आयोजित किये गये। उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/2014 दिनाँक : 3 नवम्बर, 2014 के संदर्भ में सेवा प्रवेश प्रशिक्षण तथा मिड कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु अकादमी निरन्तर प्रयासरत् है।

इस वर्ष नवीन प्रयोग करते हुए राजस्व विभाग के कार्मिकों को राजस्व विभाग के विविधता पूर्ण कार्यों के अनुरूप दक्षता प्रदान करते हुये नागरिकों के प्रति संवेदनशील बनाने के दृष्टिगत दो सप्ताह के 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। इसी क्रम में उत्तराखण्ड शासन के विशेष मॉग पर उत्तराखण्ड सचिवालय में कार्यरत वरिष्ठ निजी सचिवों/निजी सचिवों के लिए भी दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

अकादमी में स्थापित आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ मुख्यतः दैवीय आपदाओं के सम्बन्ध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्यूमेंटेशन, आपदा प्रबन्धन के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि का कार्य कर रहा है। डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्था के रूप में स्थापित सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स अकादमी के मार्ग निर्देशन में सुशासन एवं सतत् विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श सेवायें प्रदान करने का कार्य करता है।

आलोच्य वर्ष में अकादमी परिसर में कतिपय नवीन निर्माण कार्य प्रारम्भ किये गये है। परिसर का बाउन्ड्री वाल, मुख्य द्वार, टेनिस कोर्ट तथा ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अकादमी परिसर में ही कृत्रिम रॉक क्लाईम्बिगं वाल का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। आगामी कुछ माहों में इन कार्यो के पूर्ण हो जाने के पश्चात अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में निश्चय ही गुणात्मक सुधार परिलक्षित होगें।

अन्त में, मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों, प्रशिक्षण समन्वय इकाई (टी0सी0यू0) की टीम तथा अन्य विभिन्न इकाईयों की टीमों की विशेष रूप से सराहना करना चाहूँगा जिनके प्रयासों से वर्ष 2021–22 में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन एवं तत्सम्बन्धित व्यवस्थाओं का सफल सम्पादन हो सका। प्रशिक्षण समन्वय इकाई के सतत् प्रयासों से ही यह वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22 प्रकाशित होना सम्भव हो सका है। इसके लिए मैं अकादमी के समस्त संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों को साधुवाद करना चाहूँगा। आशा करता हूँ कि, वर्ष 2022–23 में भी 'डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' राज्य की अपेक्षाओं के अनुरूप नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर अपनी उत्कृष्टता को मानकों के अनुसार स्थापित करने में सक्षम हो

सकेगी तथा अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य की प्राथमिकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुसार प्रशिक्षण को राज्य में एक नवीन दिशा एवं प्राथमिकता प्रदान करने में विशेष योगदान सत्त रूप से दिया जाता रहेगा।

'हार्दिक शुभकामनाओं सहित''

बी.पी. पाण्डेय
महानिदेशक

अनुक्रमणिका

1. **डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल**

   I. **अकादमी : एक परिचय**

   II. **अकादमी की विभिन्न संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग**
   - (1) पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र
   - (2) कम्प्यूटर अनुभाग
   - (3) दृश्य–श्रृव्य अनुभाग
   - (4) प्रशिक्षण समन्वय इकाई
   - (5) सूचना का अधिकार केन्द्र

   III. **अकादमी की अवस्थापना सुविधाएँ**
   - (1) अकादमी ऑफिसर्स मैस, अतिथि गृह तथा छात्रावास
   - (2) प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह
   - (3) क्रीड़ा एवं खेलकूद

   IV. **अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियाँ तथा अन्य विवरण**

2. **आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ**

3. **सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स**

   - (1) प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग इकाई
   - (2) ई–गवर्नेन्स इकाई
   - (3) प्रलेखन एवं समन्वय इकाई
   - (4) नगरीय कार्य इकाई
   - (5) की–रिसोर्स सेन्टर, पेयजल एवं स्वच्छता इकाई
   - (6) बौद्धिक संपदा एवं मानवाधिकार इकाई
   - (7) जेन्डर इश्यूज इकाई

4. **प्रशिक्षण गतिविधियों का चार्ट निरूपण**

5. **प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियाँ**

6. **वर्ष 2021–2022 में अकादमी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची**

6. **वर्ष 2021–2022 में सी.जी.जी. द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची**

7. **वर्ष 2021–22 में अकादमी के निदेशक एवं संकाय सदस्य**

अकादमी : एक परिचय

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर का बहुत रोचक एवं गौरवपूर्ण इतिहास है। सन् 1951 में ''अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल'' के नाम से इलाहाबाद में स्थापित इस संस्थान को जब सन् 1971 में नैनीताल के शान्त एवं सुरम्य वातावरण में लाने का निर्णय लिया गया तब आर्डवैल कैम्प परिसर को इस संस्थान की स्थापना के लिए चुना गया। आर्डवैल कैम्प में निर्मित बैरेकों द्वितीय विश्वयुद्ध के समय रॉयल एयरफोर्स के अधिकारियों के अस्थायी आवास के लिए आर्डवैल बैरेकों के रूप में निर्मित किए गए थे। ब्रिटिश अधिकारियों, सिपाहियों के अतिरिक्त इन बैरेकों में अमेरिकन अधिकारी भी रहते थे। आर्डवैल कोठी जो कि आज निदेशक आवास है स्वतंत्रता से पूर्व कुमाऊँ कमिश्नर का आवास हुआ करती थी। आर्डवैल प्रांगण में बैरेक्स और क्वार्टरों के साथ एक हॉल का निर्माण किया गया था (वर्तमान बैटमिंटन एवं टी.टी. हॉल) जो अंग्रेज फौजियों को अंग्रेजी चलचित्र दिखाने के लिये काम में आता था, साथ ही आवश्यकता पड़ने पर डोरमेटरी के रूप में भी इसका प्रयोग होता था। दिनाँक 15 मई, 1947 से दिनाँक 6 जून, 1947 तक संयुक्त प्रान्त लेजिसलेटिव असेम्बली की 16 बैठकें आर्डवैल हॉल में आयोजित हुई थी। डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी परिसर में स्थित आर्डवैल हॉल में स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व आयोजित संयुक्त प्रान्त लेजिससेटिव असेम्बली की बैठकों के पदाधिकारी के रूप में अध्यक्ष माननीय श्री पुरुषोत्तम दास टण्डन, उपाध्यक्ष श्री नफीसुल हसन, सचिव श्री कैलाश चन्द्र भटनागर इत्यादि कई अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा भाग लिया गया था।

उत्तराखण्ड में, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को एक शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। तद्नुसार अकादमी, शासन तंत्र एवं अकादमी के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित गतिविधियों का आयोजन प्रतिवर्ष सफलतापूर्वक करती आ रही है। अकादमी की स्थापना वर्ष 1951 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तर प्रदेश संवर्ग) तथा राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए इलाहाबाद में 'अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल (ओ.टी.एस.)' के रूप में की गयी। वर्ष 1958 में इस स्कूल में प्रादेशिक न्यायिक सेवा के अधिकारियों के लिए भी व्यावसायिक प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। वर्ष 1961 तक स्कूल में प्रान्तीय सिविल

सेवा के अधिकारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। परन्तु वित्तीय कठिनाइयों के कारण वर्ष 1961 में स्कूल की गतिविधियाँ तात्कालिक रूप से स्थगित कर दी गयीं।

वर्ष 1971 में पुनः अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल को नैनीताल के वर्तमान परिसर में स्थापित कर दिया गया. नैनीताल में आयुक्त स्तर के अधिकारी को इस स्कूल का पूर्णकालिक प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में स्कूल के नाम को परिवर्तित कर 'प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान कर दिया गया। वर्ष 1976 से संस्थान के विभिन्न पदों के पदनाम भी बदल दिये गये। संस्थान में अब महानिदेशक/निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक तथा सहायक निदेशक नियुक्त किये गये। प्रशिक्षण के बदलते स्वरूप एवं संस्थान की बढ़ती हुई गतिविधियों को देखते हुए वर्ष 1988 में इसे प्रदेश का शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान घोषित किया गया तथा संस्थान की बढ़ती गतिविधियों एवं बदलते लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए इसका नाम परिवर्तित करते हुए इसे 'उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी' कर दिया गया।

9 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य गठन के पश्चात यह 'उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी' के रूप में स्थापित है एवं उत्तराखण्ड राज्य की शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्था के रूप में अपने दायित्वों को पूर्ण कर रही है। वर्तमान में अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है अकादमी वर्तमान में सम्मिलित राज्य सेवा के अधिकारियों हेतु आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कोर्सों के अतिरिक्त प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा), भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग), भारतीय वन सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग) के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इनके अतिरिक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.), भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) तथा भारत सरकार व प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन तथा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी अधिकारियों के लिए एक माह का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है। सेवा प्रवेश प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तराखण्ड राज्य की चुनौतियों तथा अवसरों के बारे में

नव–नियुक्त अधिकारियों को अद्यतन सूचना से अवगत कराना तथा उनमें प्रबन्धकीय कौशल का विकास करना है, जिससे वे अपने–अपने क्षेत्रों में गुणात्मक सेवाएँ प्रदान कर सकें, तथा उनमें उत्तराखण्ड राज्य की सामाजिक–आर्थिक, साँस्कृतिक एवं राजनीतिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में उचित समझ विकसित हो सके। अकादमी द्वारा राज्य के अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिससे वह सुयोग्य, व्यावसायिक एवं प्रतिबद्धतापूर्ण लोक सेवक के रूप में राज्य के विकास में सहयोग दे सकें। अकादमी द्वारा कई ऐसे विभागों के लिए भी क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिनके पास संस्थागत प्रशिक्षण आयोजित करने की सुविधाएँ नहीं हैं या प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण सीमित संसाधनों से प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं।

अकादमी द्वारा प्रशिक्षण प्रभाग, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों हेतु विभिन्न सामयिक विषयों एवं क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्तमान स्थितियों के सापेक्ष प्रशिक्षण की आवश्यकता के दृष्टिगत अकादमी द्वारा प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक कार्यक्रम जैसे Direct Trainer Skills, Design of Training, Evaluation of Training एवं Training Techniques इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है। अकादमी को ओवरसीज डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन, ब्रिटिश सरकार तथा प्रशिक्षण प्रभाग, कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सौजन्य से भारत में चलाई जा रही 'प्रशिक्षक विकास योजना' के अन्तर्गत प्रारम्भिक चरण में ही देश के पाँच प्रमुख क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों में से एक प्रमुख केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। इसके अन्तर्गत अकादमी देश व प्रदेश के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत् प्रशिक्षण संकाय को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण की कला, प्रशिक्षण डिजाइन, प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण, प्रशिक्षण प्रबन्धन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ का गठन कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य स्तर की इकाई के रूप में वर्ष 1995 में किया गया था। 09 नवम्बर, 2000 को उत्तराखण्ड के रूप में नए राज्य का गठन हुआ। राज्य के अधिकतर क्षेत्र भूकम्पीय जोन में होने के कारण शासन स्तर से आपदा प्रबन्ध एवं

न्यूनीकरण केन्द्र की स्थापना की गई थी इसलिए यह केन्द्र भी देहरादून में आपदा प्रबन्ध एवं न्यूनीकरण केन्द्र में ही सम्मिलित कर लिया गया था। परन्तु उद्देश्यों में अन्तर होने की वजह से पुनः प्रमुख सचिव, आपदा प्रबधंन एवं पुर्नवास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन के दिनांक 30 जून 2006 के आदेश के अनुपालन में जुलाई 2006 में आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ पुनः उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में स्थापित किया गया। आपदा प्रबन्ध प्रकोष्ठ का कार्य मुख्यतः दैवी आपदाओं के सम्बन्ध में सूचनाओं का संकलन, डॉक्युमेन्टेशन, आपदा प्रबन्ध के सम्बन्ध में एक्शन प्लान का निर्धारण, पूर्व तैयारी, जागरुकता तथा प्रशिक्षण, कन्सलटेन्सी, शोध तथा क्षमता विकास इत्यादि के कार्य संचालित होते हैं।

अकादमी का मुख्य परिसर आर्डवैल कैम्प, मल्लीताल, नैनीताल में स्थित है। संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में अकादमी में मुख्य सचिव स्तर के आई.ए.एस. अधिकारी, महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जिन्हें विभागाध्यक्ष के समस्त अधिकार प्राप्त हैं। आलोच्य वर्ष में अकादमी में विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ अकादमी संकाय सदस्यों के रूप में राज्य सिविल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त निदेशक के रूप में, व विषय विशेषज्ञ एवं राज्य सेवा के अधिकारी उप–निदेशक के रूप में कार्यरत रहे। अकादमी में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने–अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है।

Our Vision

To become a self-sustaining, proactive and leading organisation-offering quality capacity building (training and advisory) service in the field of public administration and development initiatives in a competitive environment.

Our Mission

We work for the capacity building of civil servants, Professionals development functionaries and elected people's representatives.

हमारी संकल्पना

हम लोक प्रशासन एवं विकास में संलग्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों के क्षमता विकास के क्षेत्र में (प्रशिक्षण एवं परामर्श) सेवाएँ प्रदान करने वाली एक आत्मनिर्भर, अग्रणी एवं उत्कृष्ट संस्था बनने की संकल्पना करते हैं।

हमारा ध्येय

हम लोक सेवकों, व्यावसायिकों, विकास कार्मिकों एवं जन–प्रतिनिधियों में कुशल कार्य निष्पादन हेतु क्षमता विकास का कार्य करते हैं।

अकादमी की विभिन्न संगठनात्मक इकाईयाँ/अनुभाग

पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र

पुस्तकालयों के माध्यम से मानव अपने दृष्टिकोणों, विचारों एवं अनुभवों तथा स्वपनों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सम्प्रेषित करता है। भविष्य का निर्माण करने में पुस्तकालय सोपान भी हैं और अतीत की कड़ी भी, पुस्तकालय वर्तमान से भविष्य की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। पुस्तकालय जैसी संस्था वर्तमान प्रजातंत्रीय युग की एक अभूतपूर्व देन है। किसी भी संस्था के सर्वांगीण विकास का आधार साक्षरता तथा शिक्षा का प्रसार है, किसी भी देश अथवा प्रदेश की सामाजिक, राजनैतिक, बौद्धिक और आर्थिक स्तर ऊँचा करने में पुस्तकालयों का अपना एक महत्वपूर्ण योगदान है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र किसी भी संस्था की महत्वपूर्ण इकाई होती है। पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र में न केवल प्रशिक्षण, शोध तथा विभिन्न विषयों से संबंधित प्रलेखों का संकलन किया जाता है, बल्कि पूरे संस्थान में होने वाली समस्त अकादमिक गतिविधियों का लेखा–जोखा भी प्रलेखन कार्य के रूप में करते हुए सुरक्षित रखा जाता है।

अकादमी पुस्तकालय को अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे विश्व बैक के अलावा आई.एम. एफ., आई.एल.ओ. तथा यूनाइटेड नेशन्स, आई.सी.मोड के अलावा विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से उनके प्रकाशन निःशुल्क प्राप्त होते हैं। अकादमी पुस्तकालय का उपयोग प्रतिवर्ष लगभग 3,000 से 4,000 के मध्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों, वरिष्ठ अधिकारियों, तथा विशिष्ट पाठकों द्वारा किया जाता है। अकादमी का पुस्तकालय पूर्णतया कम्प्यूटरीकृत है। कम्प्यूटरीकरण हेतु लिबसिस साफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2020–2021 में पुस्तकालय के कम्यूटरीकरण की दिशा में अकादमी द्वारा पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र के पुराने साफट्वेयर LIBSYS-4 के स्थान पर Natioanl Informatics Certre (NIC), Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India द्वारा विकसित Library automation software : E-Granthalaya-4-0 on Cloud का क्रय कर लिया है। नवम्बर 2020 से अकादमी को प्राप्त सभी नवीन प्रलेंखों को नये साफट्वेयर पर दर्ज किया जा रहा है तथा LIBSYS-4 के डाटाबेस को E-Granthalaya-4-0 में माइग्रेशन करने की की कार्यवाही की जा रही है। पुस्तकालय अपने पाठकों को अन्य सुविधाओं के अलावा इन्टरनेट की सुविधा भी प्रदान करता है।

पुस्तकालय प्रातः 09:00 से सायंकाल 6:00 बजे तथा राजपत्रित अवकाशों में आवश्यकतानुसार प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 01:00 बजे तक खुला रहता है। दिनाँक 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष में अकादमी पुस्तकालय में प्रलेखों तथा जिल्दबन्द पत्रिकाओं को शामिल करते हुये कुल 89,139 प्रलेख अभिलेखों में दर्ज हैं तथा वित्तीय वर्ष 2021–2022 में 134 प्रलेखों की वृद्धि हुई।

पुस्तकों की खोज में पाठकों को आसानी हो इसके लिए पुस्तकालय द्वारा प्रत्येक पुस्तक का बारकोड भी तैयार कर पुस्तक पर लगाया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र की सदस्यता अकादमी में कार्यरत समस्त संकाय अधिकारी तथा प्रशिक्षणार्थी अधिकारी तथा कर्मचारी सदस्यता का पंजीकरण करवा सकते हैं,

वर्गीकरण एवं सूचीकरण कार्य कम्प्यूटर के माध्यम से सम्पादित किया जा रहा है। वर्गीकरण के लिए Dewey Decimal Classification DDC-22 and 23rd Edition एवं सूचीकरण के लिए AACR-II का प्रयोग किया जा रहा है। अकादमी पुस्तकालय लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। दिनाँक 31 मार्च, 2022 तक प्राप्त सभी प्रलेखों को वर्गीकृत कर कम्प्यूटर में दर्ज कर दिया गया है। वर्गीकरण एवं सूचीकरण कार्य कम्प्यूटर के माध्यम से सम्पादित किया जा रहा है।

कम्प्यूटर अनुभाग

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में लगभग सभी अनुभागों में कम्प्यूटर का प्रयोग दिन–प्रतिदिन के कार्यों में किया जा रहा है। स्वागत कक्ष, लेखाकक्ष, अधिष्ठान, मैस, पुस्तकालय एवं प्रशिक्षण, सभी अनुभागों में कम्प्यूटर की व्यवस्था एवं देखभाल इस अनुभाग द्वारा किया जाता है। कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर की मरम्मत एवं अनुरक्षण इस अनुभाग की देख–रेख में किया जाता है।

वर्तमान में अकादमी परिसर के प्रत्येक कक्ष में कम्प्यूटर स्थापित किये गये हैं। इस समय में अकादमी के विभिन्न कक्षों में लगभग 112 आधुनिक कम्प्यूटर स्थापित हैं, साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चौखम्बा भवन के द्वितीय तल पर आधुनिकतम सुविधायुक्त कम्प्यूटर लैब व्यवस्थित है। कम्प्यूटर लैब में 20 कम्प्यूटर्स स्थापित किये गये हैं। ये सभी कम्प्यूटर्स लोकल एरिया नेटवर्क के माध्यम से परस्पर जुड़े हुए हैं, साथ ही सभी कम्प्यूटर्स

इन्टरनेट सुविधा से युक्त हैं। अकादमी के अतिथि गृह तथा छात्रावासों में इन्टरनेट सुविधा से युक्त कम्प्यूटर्स प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को उपलब्ध करवाये गए हैं।

कम्प्यूटरीकरण की दिशा में अकादमी पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र का सम्पूर्ण कम्प्यूटरीकरण, मैस तथा लेखा अनुभाग के कम्प्यूटरीकरण की दिशा में काफी प्रगति हुई है। कम्प्यूटर अनुभाग द्वारा राज्य सरकार तथा भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अकादमी में आयोजित किये जाने वाले आधारभूत/व्यावसायिक/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है। अकादमी परिसर को पूर्णरूप से वाई–फाई से सज्जित कर दिया गया है, साथ ही अकादमी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अकादमी परिसर को पूर्णरूप से सी.सी.टी.वी. कैमरे से सज्जित कर दिया गया है।

दृश्य–श्रृव्य अनुभाग

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए चर्चा कक्षों में उपयुक्त वातावरण तैयार करने तथा दृश्य–श्रव्य उपकरणों की व्यवस्था करने के लिए अकादमी में दृश्य–श्रव्य अनुभाग की स्थापना की गई है। इस अनुभाग में नवीन दृश्य–श्रव्य उपकरण तथा चर्चा कक्षों की गतिविधियों का चित्रांकन, एलसीडी प्रोजेक्टर्स, ओवर हेड प्रोजक्टर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम इत्यादि नवीनतम उपकरणों की व्यवस्था इस अनुभाग द्वारा की जाती है। इस अनुभाग के माध्यम से अकादमी में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य गतिविधियों का चित्रांकन/रिकार्डिंग आदि कर एल्बम एवं सी0डी0 के रूप में सन्दर्भ हेतु संकलित किया जाता है।

प्रशिक्षण समन्वय इकाई

प्रशिक्षण एवं सम्बन्धित कार्य को अकादमी में व्यवस्थित रूप से करने के उद्देश्य से सभी डिवीजनों की गतिविधियों में समन्वय का महत्वपूर्ण कार्य **'प्रशिक्षण समन्वय इकाई (टी.सी.यू.)** के द्वारा किया जाता है। अकादमी द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों एवं इनमें प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों की विशाल संख्या को ध्यान में रखते हुए एवं आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के सफल

आयोजन के उद्देश्य से वर्ष 1999 में अकादमी द्वारा 'प्रशिक्षण समन्वय इकाई (टी.सी.यू.) का गठन किया गया।

प्रशिक्षण समन्वय का मुख्य उद्देश्य अकादमी के विभिन्न डिवीजनों द्वारा गठित कार्यात्मक टीमों एवं सी.जी.जी. के विभिन्न प्रोजेक्ट मनैजमेन्ट यूनिटस के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना है, जिससे कि आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों को सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण समन्वय यूनिट द्वारा प्रशिक्षार्थी अधिकारियों की सुविधा हेतु प्रत्येक गतिविधि आयोजन के एक माह पूर्व योजना निर्धारित की जाती है। इस योजना को क्रियान्वित करने हेतु एक सूचना–पत्र जिसे **'विन्डो कैलेण्डर'** कहा जाता है, को प्रस्तावित गतिविधि सप्ताह के पूर्व सप्ताह में निर्गत किया जाता है, जिससे कि समस्त टीम लीडर जिसमें मैस, स्वागत कक्ष, हॉस्टल इत्यादि सम्मिलित हैं, इस सूचना के माध्यम से समस्त टीम लीडरों से यह अपेक्षा की जाती है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम अथवा सम्बन्धित गतिविधियों के आयोजन से सम्बन्धित समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण कर लें।

'वार्षिक प्रशिक्षण कैलेण्डर' एवं 'वार्षिक प्रतिवेदन' का लेखन, डिजाइन एवं प्रकाशन का समस्त कार्य प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा किया जाता है। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा प्रतिभागियों की आवासीय व्यवस्था, चर्चा कक्षों की व्यवस्था तथा उससे जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं का समन्वय एवं आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित कार्यक्रम निदेशकों के मध्य समन्वय स्थापित करने का कार्य भी किया जाता है, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा चर्चा कक्षों का आवंटन, छात्रावास की स्थिति, तथा कार्यक्रमों के मध्य में सभी सम्बद्ध पक्षों से वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है।

आलोच्य वर्ष में अकादमी तथा सी.जी.जी. द्वारा संचालित समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुगम संचालन में प्रशिक्षण समन्वय इकाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण) के मार्गदर्शन में समन्वयक, प्रशिक्षण समन्वय इकाई द्वारा सफलतापूर्वक इस कार्य को किया जा रहा है।

अकादमी आफिसर्स मैस, अतिथि गृह तथा छात्रावास

अकादमी में विभिन्न उत्कृष्ट उपकरणों से सुसज्जित मैस है। इसमें एक समय में 150 व्यक्तियों के भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। मैस में भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह सम्पूर्ण व्यवस्था मैस प्रबन्धक की देख–रेख में की जाती है। व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन हेतु मैस विंग बनाया गया है। मैस के उचित संचालन के लिए अकादमी संकाय सदस्यों में से एक सदस्य को प्रभारी अधिकारी, मैस का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, जिनके अधीन मैस प्रबन्धन हेतु एक मैस इन्चार्ज भी नियुक्त किया गया है। मैस विंग के द्वारा भी सभी अन्य विंगों की भाँति नियत समय पर बैठकें की जाती हैं, और भोजन की गुणवत्ता, आय–व्यय इत्यादि से सम्बन्धित निर्णय लिये जाते हैं, इन्ही निर्णयों के अनुसार विंग द्वारा समस्त कार्यों का सम्पादन किया जाता है। मैस के सामने ही अकादमी का लाउन्ज स्थित है, इसका उपयोग महत्वपूर्ण समारोहों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विशिष्ट अतिथियों के आगमन, स्वागत व विशेष भोज के अवसरों पर किया जाता है। सामान्य दिवसों में यह टेलीविजन के कार्यक्रमों को देखने के लिये निर्धारित समय पर खुला रहता है। बदलते हुए परिदृश्य एवं माँग के अनुरूप अकादमी की सेवाओं एवं सुविधाओं में गुणवत्ता बनाये रखना तथा इनका रख–रखाव एक बड़ी चुनौती है। अकादमी मैस ने प्रारम्भ के वर्षो में इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया है तथा खान–पान सेवाओं के क्षेत्र में हुई प्रगति, मशीनीकरण व तकनीकी विकास और लोगों के खान–पान की आदत में आए परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में स्वंय को ढालने का निरन्तर प्रयत्न किया है। प्रशिक्षार्थी अधिकारियों के लिए आवासीय व्यवस्था हेतु अकादमी में क्रमशः ''यमुनोत्री'' और ''गंगोत्री'' नामक दो छात्रावास हैं। इनमें लगभग 150 अधिकारियों के ठहरने की उच्च कोटि की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त अकादमी ''अलकनंदा'' तथा ''भिलंगना'' अतिथि गृहों में विशिष्ट अतिथियों हेतु आधुनिक सुख–सुविधाओं युक्त क्रमशः 09 तथा 06 कक्ष सुव्यवस्थित है, जिनमें उत्तराखण्ड शासन के उच्चाधिकारियों तथा विशिष्ट अतिथि प्रवक्ताओं के लिए आवासीय व्यवस्था की जाती है।

अकादमी मैस की क्षमता में बृद्धि करते हुए एक अतिरिक्त डाइनिगं हाल का निमार्ण भी इसी वित्तीय वर्ष में किया गया है। इसके बन जाने से अधिक व्यक्तियों को एक साथ भोजन करने की सुविधा प्रदान की जा सकेगी।

प्रशिक्षण कक्ष तथा प्रेक्षागृह

अकादमी के त्रिशूल भवन तथा चौखम्बा भवन में कुल 10 चर्चा–कक्ष विद्यमान हैं। सभी चर्चा–कक्षों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। अकादमी के त्रिशूल भवन में ही आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रेक्षागृह है जिसमें एक समय में 200 व्यक्तियों के बैठने की आरामदायक व्यवस्था है। इस प्रेक्षागृह का उपयोग प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों के अतिरिक्त प्रशिक्षार्थी अधिकारियों के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये किया जाता है। विशिष्ट अवसरों पर इसी प्रेक्षागृह में क्षेत्र व प्रदेश के सांस्कृतिक दलों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2020–2021 में अकादमी परिसर में काफी सुधारात्मक कार्य किये गये है। इस वर्ष अकादमी परिसर में एक ओपन एयर थियेटर का निर्माण किया गया है। इसमें अकादमी की सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। ओपन एयर थियेटर में लगभग 100 से अधिक व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है।

क्रीड़ा एवं खेल–कूद सुविधाएँ

अकादमी परिसर में स्थित 'भागीरथी' जो एक ऐतिहासिक भवन है, में स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स स्थापित है। इसमें बिलियर्ड, बैडमिन्टन, टेबल टैनिस, भारोत्तोलन, व्यायाम, शतरंज, कैरम इत्यादि की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। आउटडोर गतिविधियों में लॉन टैनिस तथा वालीबाल की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए एक क्रिकेट ग्राउण्ड का निर्माण भी किया गया है। इन सुविधाओं में सहायता करने के लिये पी. टी.आई. एवं क्रीड़ा सहायक भी अकादमी में नियुक्त हैं। वर्ष 1999 में, प्रशिक्षार्थियों की माँग पर एक आधुनिक व्यायामशाला (ज़िम) की स्थापना भी की गई है। संदर्भित वर्ष के दौरान दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों द्वारा सत्रान्त तक निरन्तर खेल–कूद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सभी दीर्घकालीन प्रशिक्षणों के प्रतिभागियों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेता प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया। अकादमी में खेल–कूद व योगा इत्यादि की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इन्डोर व आउटडोर खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न अवस्थापनाओं का विकास निरंतर किया जा रहा है। क्रिकेट, वॉलीबाल

तथा लॉन–टैनिस के लिए उच्च कोटि की अवस्थापना सुविधाये निर्मित की जा रही है। आगामी वर्षो में इसका लाभ प्रशिक्षु अधिकारियों को उपलब्ध हो जायेगा।

अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियाँ

प्रदेश के समग्र विकास के लिये, विभिन्न विभागों/संगठनों, लोकतांत्रिक निकायों, जन प्रतिनिधियों, सरकारी तथा गैर–सरकारी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रदेश के विकास में इन संस्थानों की कुशलता और प्रभाविकता इनमें कार्यरत कार्मिकों की कार्यकुशलता एवं योग्यता पर निर्भर करती है। संदर्भित वर्ष में अकादमी व परियोजना आधारित प्रशिक्षणों को संचालित करने के उद्देश्य से अकादमी में स्थापित सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सम्बन्धित गतिविधियों से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी पृथक रूप से दी गई हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य

- ❖ कार्मिकों में बेहतर कार्य निष्पादन हेतु व्यावहारिक ज्ञान एवं क्षमता विकास।
- ❖ बदलती सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिस्थितियों में संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण क्षमता का विकास।
- ❖ गैर सरकारी/स्वयंसेवी संस्थानों व निर्वाचित जन–प्रतिनिधियों की क्षमता का विकास।
- ❖ प्रशिक्षण आयोजना एवं संरचना का विकास ताकि समूह क, ख के सभी लोकसेवकों को प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त हो सकें।
- ❖ सामयिक विषयों पर कार्यशालाओं, संगोष्ठी और सम्मेलनों के आयोजन से विचारों का आदान–प्रदान, विचार–विश्लेषण एवं संवाद।

अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमः

• व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

अखिल भारतीय सेवा के प्रशिक्षार्थी अधिकारियों हेतु आयोजित किये जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनकी क्षमता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उद्देश्यों में प्रशिक्षार्थियों में निर्णय क्षमता के विश्लेषणात्मक पक्षों का विकास, विकास कार्यक्रमों की समस्याओं के समाधान में कौशल एवं क्षमतापूर्वक दायित्व निर्वहन एवं नवसृजित राज्य उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से उन्हें अवगत करना सम्मिलित है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत, सिविल एवं राजस्व विधि, नियोजन एवं विकास, कृषि संरचना एवं ग्राम्य विकास तथा विधिक निर्णय लेखन आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। मुख्य रूप से भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं भारतीय वन सेवा के अधिकारियों की कार्यक्षमता व कौशल में वृद्धि के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय वन सेवा (आई.एफ.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु अकादमी द्वारा पाँच सप्ताह तथा अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु 12–सप्ताह तथा प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों हेतु 10–सप्ताह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन किये जाने का प्रावधान है।

आलोच्य वर्ष 2020–2021 में अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु **18वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किया गया, इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 04 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों हेतु अकादमी में 06वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय वन सेवा के 07 परिवीक्षाधीन अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस वर्ष प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों के लिए **11वाँ व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम** का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 06 अधिकारियों ने भाग लिया।

1.	**19th Professional Course for IAS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre**	**12 Weeks**	**16/08/2021**	**06/11/2021**	**Sanjay Kumar Joint Director & V.K.Singh Dy. Director**	02
2.	**12th Professional Course for IFS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre**	**5-Weeks**	**16/08/2021**	**18/09/2021**	**Sanjay Kumar Joint Director & V.K.Singh Dy. Director**	02
					TOTAL	04

- **आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम**

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षार्थी अधिकारियों को प्रदेश तथा सम्बन्धित कार्यक्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करना होता है। चूँकि आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत अधिकारियों के लिए किया जाता है, इसलिए इस कार्यक्रम में ऐसे कार्यक्रमों का समायोजन किया जाता है जो एक व्यक्ति को देश एवं प्रदेश के आवश्यकतानुसार कार्य करने के लिए तैयार कर सकें।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

- शासन–प्रशासन तंत्र की आवश्यकताओं व जन अपेक्षाओं के अनुरूप परिवीक्षाधीन अधिकारियों की क्षमताओं और प्रबन्ध कौशल को विकसित करना।
- प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य एवं सौहार्द स्थापित करना।
- प्रतिभागियों को सरकारी कार्य प्रणाली में लागू सिद्धातों और कार्य–प्रणालियों से परिचित कराना।
- प्रतिभागियों को सरकारी प्रणाली में प्रबन्ध सम्बन्धी प्रक्रियाओं और तकनीकों से परिचित कराना।
- प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करने में सहायता करना।

- **पाठ्यक्रम**

आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात् परिवीक्षाधीन अधिकारियों से निम्नलिखित क्षेत्रों में दक्षतापूर्वक कार्य करने की अपेक्षाएँ की जाती हैंः–

- ❖ संविधान, सेवा नियम तथा अनुशासनिक कार्यवाही।
- ❖ लोक संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार।
- ❖ विधि एवं विधि व्यवहार।
- ❖ वित्त एवं लेखा।
- ❖ कार्यालय प्रबन्ध एवं प्रक्रिया।
- ❖ प्रबन्ध एवं मानव संसाधन विकास।
- ❖ विकास, ग्राम विकास, नगर विकास एवं विकेन्द्रीकृत नियोजन तथा कम्प्यूटर दक्षता।
- ❖ क्षेत्र एवं अध्ययन भ्रमण।

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा कोई परिणाम घोषित न होने के कारण अकादमी द्वारा आलोच्य वर्ष 2020–2021 में कोई आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम नही अयोजित किया गया।

- **सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम**

उत्तराखण्ड शासन द्वारा दिनाँक 17 जनवरी, 2003 को प्रेषित पत्र (संख्याः 1833 एक–1–2003) द्वारा राज्य के समस्त विभागों एवं अकादमी, नैनीताल को यह सूचित किया गया था कि **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग** से चयनित समस्त अभ्यर्थियों को (राज्य स्तरीय सेवाओं से भिन्न) कार्यभार ग्रहण कराने से पूर्व अनिवार्य रूप से आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कोर्स अकादमी, नैनीताल में प्राप्त करना होगा जिससे कि नवचयनित अधिकारियों को उनकी सेवाओं से सम्बन्धित कर्त्तव्यों एवं दायित्वों से परिचित कराया जा सके। एक माह के सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कोर्स का संचालन 09 माड्यूलों के अन्तर्गत किया जाता है। उत्तराखण्ड शासन द्वारा नवचयनित अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से दिया गया उपरोक्त आदेश/पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, कि नव–नियुक्त लोक सेवकों से जन अपेक्षाओं के संदर्भ में अधिक संवेदनशील एवं उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। शासन तंत्र द्वारा इस सम्बन्ध में अनेकों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहल की गई है। तेजी से बदलते हुए परिवेश में, विशेषकर उत्तराखण्ड की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध अवसरों, समस्याओं एवं चुनौतियों के संदर्भ में, समस्त नव–नियुक्त अधिकारियों से संविधान द्वारा स्थापित मूल्यों एवं सिद्धान्तों, लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहते हुए विशेषज्ञतापूर्ण सेवायें प्रदान करने की अपेक्षा की जा रही हैं। उपरोक्त अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं के क्रम में उत्तराखण्ड शासन द्वारा लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय को फलीभूत करने के उद्देश्य के साथ अकादमी, नैनीताल द्वारा नव–नियुक्त पशु चिकित्साधिकारियों एवं चिकित्साधिकारियों हेतु भी एक माह के **'सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम'** अकादमी में आयोजित किए जाते हैं। उक्त के

अतिरिक्त उत्तराखण्ड राज्य के समूह 'ख' तथा 'ग' के समस्त ऐसे अधिकारियों/कार्मिकों जिनके द्वारा सेवा में प्रवेश के समय किसी भी प्रकार का सेवा प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है, के लिए एक माह का अनिवार्य सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पूर्व से सेवारत् अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मिड कैरियर प्रशिक्षण डा0 आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के माध्यम से आयोजित किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा शासनादेश संख्या : 450/ XXX (2)/ 2014, दिनाँक : 03 नवम्बर, 2014 जारी किया गया है।

सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम के लक्ष्य निम्नांकित हैं:–

- ❖ उत्तराखण्ड की सामाजिक, आर्थिक एव सांस्कृतिक परिस्थितियों से नव–नियुक्त अधिकारियों को परिचित कराना।
- ❖ नव–नियुक्त अधिकारियों को एक कुशल लोक–सेवक की भूमिका के निर्वहन करने हेतु उनमें प्रबन्धन एवं प्रशासकीय क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।
- ❖ विकास में विशेषज्ञतापूर्ण, प्रशासनिक एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता एवं महत्व की समझ के विकास के अवसर प्रदान करना।
- ❖ सूचना तकनीकी के वर्तमान परिवेश में महत्व, योग सम्बन्धित जानकारी से अवगत कराना एवं आवश्यक सम्बन्धित क्षमताओं को विकसित करने के अवसर प्रदान करना।

आलोच्य वर्ष 2020–2021 में लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित नवागत राजपत्रित तथा अराजपत्रित अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:–

1.	49th Induction Training Programme for JE's of Irrigation Department, Uttarakhand (Conducted 16-24.04.2021 *[Remaining 21 days]*	1-Month	16/04/2021 01/9/2021	24/04/2021 21/9/2021	Rekha Kohli Dy.Director & Sanjeev Kumar Arya Assistant Director	42
2.	50th Induction Training Programme for JE's of Public Works Department, Uttarakhand	1-Month	24/9/2021	23/10/2021	Dinesh K Rana Dy.Director & N.S. Nagnayal Dy. Director	28
3.	44th Induction Training Programme for Arth avm Sankhya adhikari, (DSTO)	1-Month	01/10/2021	30/10/2021	Poonam Pathak Dy. Director	11
4.	2-Weeks Special Induction Training Programme for Ministerial Employees of Collectorate	2-Weeks	13/12/2021	25/12/2021	J.C. Kandpal Dy.Director	35
5.	2-Weeks Orientation Training Programme for	2-Weeks	29/11/2021	11/12/2021	V.K.Singh Dy. Director	41

6.	APS of Uttarakhand Secretariat 2-Weeks Special Induction Training Programme for Ministerial Employees of Collectorate	2-Weeks	14/03/2022	26/03/2022	J.C. Kandpal Dy.Director	35
					TOTAL	192

आलोच्य वर्ष 2021–2022 में पंचायती राज उत्तराखण्ड के ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को उनके कर्तव्यों, दायित्वों एवं अधिकारों के सम्बंध में 6 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण के क्रम में अकादमी द्वारा निम्नलिखित 1 कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं, जिसमें कुल 34 ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है : –

1.	**13th One Week Refesher Course for Village Panchayat Officers**	**1-Weeks**	**5/4/2021**	**10/4/2021**	**Poonam Pathak Dy. Director**	34
					TOTAL	34

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सहायता से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चिन्हित आवश्यकता आधारित विभिन्न विषयों पर एक सप्ताह एवं तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण आलोक में अकादमी ने प्रशिक्षकों के विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। तद्नुसार प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है जो प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल विकसित करने में सहायक है। तद्नुसर अकादमी द्वारा प्रत्यक्ष प्रशिक्षक कौशल, डिजाइन ऑफ ट्रेनिंग,इवैल्युएशन ऑफ ट्रेनिंग तथा मैनेजमेंट ऑफ ट्रेनिंग इत्यादि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश एवं देश में कार्यरत प्रशिक्षकों हेतु किया जाता है।

आलोच्य वर्ष 2021–22 में 09 प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम तथा 17 राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थात कुल 26 कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 683 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम

1.	Direct Trainer Skills (DTS)	1-Week	8/11/2021	12/11/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director	17
2.	Design of Training (DoT)	1-Week	06/12/2021	10/12/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	10
3.	Direct Trainer Skills (DTS)-State	1-Week	22/11/2021	26/11/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	12
4.	Mentoring Skills	3-Days	25/10/2021	27/10/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director (Computer)	10
5.	Direct Trainer Skills (DTS)	1-Week	06/12/2021	10/12/2021	Dinesh Kumar Rana Dy.Director (Finance)	24
6.	Design of Training (DoT)	1-Week	13/12/2021	17/12/2021	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	11
7.	Evaluation of Training (EoT)	1-Week	27/12/2021	31/12/2021	J.C.Kandpal Dy.Director (Administration)	16
8.	Training Needs Analysis (TNA)	1-Week	06/09/2021	11/09/2021	Dinesh Kumar Rana Dy.Director (Finance)	17
9.	Design Of Training (DoT)	1-Week	20/09/2021	24/09/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	14
						131

राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रम

आलोच्य वर्ष 2021–22 में 19 राज्य श्रेणी के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें 550 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

1.	Disaster preparation and mitigation strategies in Urban Area	3-Dyas	20/9/2021	22/9/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	28 Online
2.	The Role of PPP in affordable housing issues challenges and way forward	3-Days	25/10/2021	27/10/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	Online 31
3.	Gender equality and gender mainstreaming in workplace	3-Days	26/8/2021	28/8/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	Online 53

4.	Capacity building training for Integrated Water Resources Management for Water Resource Engineers and Managers	1-Week	20/12/2021	24/12/2021	Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cell	Face to Face 19
5.	Workshop on Project Formulation	3-Days	28/03/2022	30/03/2022	Manwar Singh Consultant: Gender Issues cell	Face to Face 19
6.	The Role of community participation in sustainable solid waste management	3-Days	10/11/2021	12/11/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 24
7.	Sustainable Development-Managed Water Supply and Sanitation	3-Days	03/01/2022	05/01/2022	Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cell	Face to Face 40
8.	Gender in programming issues and our organizational culture	3-Days	21/10/2021	23/10/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	Online 24
9.	Workshop on Project Formulation	3-Days	28/03/2022	30/03/2022	Manwar Singh Consultant: Gender Issues cell	Face to Face 23
10.	Computer application in Office	1-Week	15/11/2021	19/11/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director (Computer	Face to Face 22
11.	Women empowerment and participation in urban development	3-Days	07/07/2021	09/07/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 29
12.	Training on citizen charter and right to service act	3-Days	29/11/2021	01/12/2021	J.C.Kandpal Dy.Director (Administration)	Face to Face 22
13.	Birth and Death registration and its impact on nation Building	3-Days	09/08/2021	11/08/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	Online 26
14.	Creating sustainable cities and communities with a special focus on hilly areas	3-Days	09/08/2021	11/08/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 34
15.	Connecting organizational and Individual Values in the workplace.	3-Days	29/11/2021	01/12/2021	Mrs. Meenu Pathak Nodal Officer:COMMIT	Online 44
16.	Sexual Harassment at the Workplace	3-Days	25/11/2021	27/11/2021	Dr.Sanjeev Kumar Arya Assistant Director	Online 30
17.	Role of women in agriculture and gender	3-Days	06/09/2021	08/09/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	Online

	specific agriculture policy.					55
18.	Right to information and right to service	3-Days	20/09/2021	22/09/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	23 Online
19.	New initiatives in urban financing: credit rating, municipal bonds and value capture financing	3-Days	25/11/2021	27/11/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Face to Face 24
						570

Comprehensive Online Modified Modules for Induction Training (COMMIT)

देश के समस्त नागरिकों को सुशाशन का अनुभव और प्रभावशाली तरीके दिए जाने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को सफलता पूर्वक लागू करने की दिशा में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, (DoPT) भारत सरकार द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में Comprehensive Online Modified Modules for Induction Training (COMMIT) प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रियानवित किया जा रहा है।

Comprehensive Online Modified Modules for Induction Training (COMMIT) एक ब्लेंडेड ट्रेनिंग प्रोग्राम है जो अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों को प्रशिक्षकों के साथ वार्ता के माध्यम से प्रशिक्षण में सम्मिलित विषयों में ज्ञान प्राप्त करने का अनुभव करने के साथ ही ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को उनकी सुविधा के साथ उपलब्ध कराते हुए प्रशिक्षण लेने की अनुमति देता है।

COMMIT प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सरकार में नए प्रवेशकों को उनकी जिम्मेदारियों और नागरिक– केन्द्रिता को पूरा करने के लिए तैयार करने की दिशा में प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। DoPT भारत सरकार की इस महत्वकांक्षी प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं –

- सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार लाने के उद्देश्य से।
- सुशासन और नागरिक केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से।
- राज्यों में हाल ही में भर्ती किए गए अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों को प्रेरण प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु।

अकादमी में Comprehensive Online Modified Modules for Induction Training (COMMIT) परियोजना के अन्तर्गत वर्तमान समय तक इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य के समस्त जनपदों के लगभग 3500 अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

विभागीय परीक्षाएँ

उत्तराखण्ड शासन द्वारा अकादमी को उत्तराखण्ड शासन के अधीन कार्यरत विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभागीय परीक्षाओं के आयोजन का दायित्व भी सौंपा गया है। शासनादेश संख्या 2858/XXX(ii)/2005 के अनुसार राज्याधीन सेवाओं में नियुक्ति के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने तथा पदोन्नति के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने पर कतिपय पदों के संबंध में संबंधित सेवा नियमावलियों में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण किये जाने की व्यवस्था विद्यमान है। राज्य गठन से पूर्व ऐसी विभागीय परीक्षाओं का आयोजन अध्यक्ष विभागीय परीक्षा एवं आयुक्त इलाहाबाद मंडल द्वारा लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के माध्यम से किया जाता था, परन्तु वर्ष 2005 से उत्तराखण्ड राज्य की समस्त सेवाओं एवं पदों पर विभागीय परीक्षा का आयोजन डा0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा किया जा रहा है।

आलोच्य वर्ष 2021–2022 में अधिकारियों एवं कार्मिकों हेतु निम्न विभागीय परीक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

1.	Departmental Examinations for Dy. SP and Tahshildars	3-Days	13/7/2021	15/07/2021	Dinesh Rana Dy.Director	02
2.	Departmental Examinations for Dy. SP and Tahshildars/Sub-Registrars	3-Days	02/08/2021	04/08/2021	Dinesh Rana Dy.Director	11
Total number of Participants						**13**

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ

कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से जनवरी 1995 में उत्तर प्रदेश प्रशासन अकादमी, नैनीताल में ''आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ'' का गठन राज्य स्तर पर एक इकाई के रूप में किया गया था। जून 2002 में आपदा प्रबंध प्रकोष्ठ को कृषि मंत्रालय से हस्तानान्तरित कर मानव संसाधन मंत्रालय को सौंप दिया गया था। जुलाई 2004 से 2006 तक इस इकाई को आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण केन्द्र, देहरादून में स्थानान्तरित कर दिया गया था, पुनः प्रमुख सचिव, आपदा प्रबधंन एवं पुर्नवास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन दिनांक 30 जून 2006 के आदेश के अनुपालन में जुलाई 2006 में आपदा प्रकोष्ठ को डा0 रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में स्थानांतरित किया गया तथा तब से आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ डा0 रघुनन्दन सिंह टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी की एक इकाई के रूप में कार्य कर रहा हैः–

आपदा प्रबंध प्रकोष्ठ के/लक्ष्य/उद्देश्य/कार्य

- आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और क्षमता विकास करना।
- कौशल और ज्ञान का प्रसार करना तथा विभिन्न क्षेत्रों से विभागीय अधिकारियों विशेषतः सार्वजनिक क्षेत्र से स्वयं सेवकों एवं क्षेत्र प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करना।
- ''एक तैयार समुदाय एक सुरक्षित समुदाय है'' अतः आपदा प्रबंधन हेतु विभिन्न समुदायों को प्रशिक्षित कर सम्बन्धित उत्तरदायित्वों को सरकार से समुदायों की तरफ हस्तांतरित करने हेतु ध्यान केन्द्रित करना।
- उत्तराखण्ड राज्य तथा अन्य पर्वतीय राज्यों में आपदाओं के मूल कारणों के समाधान को खोजना पूर्व में घटित घटनाओं का आलेख तैयार कर भविष्य की रणनीति तैयार करना।
- आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित केस स्टडीज (अध्ययनों) का प्रलेखीकरण तथा उसके अनुरूप प्रशिक्षार्थियों एवं अन्य लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु साहित्य का प्रकाशन।
- आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न संस्थानों हेतु अलग–अलग विषयों पर मॉड्यूल तैयार कर जैसे जेण्डर एवं आपदा प्रबंधन, मनोवैज्ञानिक सुझाव एवं प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबंधन एवं जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन एवं भूकम्प सुरक्षित निर्माण विषयक मॉड्यूल अग्रिम कार्यशालाओं हेतु तैयार किया जाना।
- राष्ट्रीय विद्यालय सुरक्षा योजना के अन्तर्गत विद्यालय सुरक्षा हेतु मॉड्यूल तैयार किया जाना ताकि समय–समय पर विद्यार्थियों को मॉकड्रिल एवं अभ्यास के माध्यम से जागरूक तथा संवेदनशील किया जा सके।
- विभिन्न शासकीय रेखीय विभागों के अधिकारियों हेतु समय–समय पर प्राकृतिक आपदा के विभिन्न पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं को आयोजित करना जैसे – जंगल की आग, खोज बचाव, प्राथमिक सहायता, विद्यालय सुरक्षा, मानसिक विकार, तनाव प्रबंधन, भूकम्प सुरक्षित भवन निर्माण तकनीक।
- विकास खण्ड/तहसील स्तर पर संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यशालाओं का आयोजन करना।

- ❖ विद्यालयी छात्र–छात्राओं सहित जनचेतना उत्पन्न करने के उद्देश्य से अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर विशेष वार्ताओं, निबन्ध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन करना।
- ❖ भूकम्प, भूस्खलन, भूक्षरण, बाढ़, सूखा, बादल फटना, वनाग्नि, आग एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव पर शोध कार्य करना तथा विस्फोटकों द्वारा मानवकृत आपदाओं से बचाव हेतु जागरूकता पैदा करना।
- ❖ प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन हेतु पठन सामग्री जैसे भूकम्प, भूस्खलन, अग्नि सुरक्षा, प्राथमिक सहायता एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 आदि का सम्पादन एवं प्रकाशन का विकास करना।

इस प्रकोष्ठ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कार्यशाला/गोष्ठी/सेमिनार/प्रशिक्षण का आयोजन कर प्राकृतिक आपदाओं मानवकृत आपदाओं के विभिन्न पहलुओं (योजना, राहत कार्य, पुर्नवास आदि) के प्रति जनचेतना लाने का प्रयास करना तथा इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य सरकारी एवं गैर सरकारी के साथ–साथ राज्य के अन्य अधिकारियों के लिए विविध क्षेत्रों में सेवाकालीन प्रशिक्षण आरम्भ किये गये और विभिन्न क्षेत्रों में शोध सम्बन्धी गतिविधियों को भी आरम्भ किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामवासियों में प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाना/जागरूकता पैदा करना है। साथ ही प्राकृतिक एवं मानवकृत आपदाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का संकलन व विश्लेषण करना तथा समय–समय पर उत्तराखण्ड राज्य के मुख्य सचिवों, सचिव व आपदा प्रबंधन एवं पुर्नवास विभाग को आपदा प्रबंध को सुदृढ़ बनाये जाने हेतु सुझाव प्रेषित करना भी प्रकोष्ठ का महत्वपूर्ण कार्य है।

आलोच्य वर्ष में संचालित विभिन्न नवीन गतिविधियों का विवरणः–

- प्रकोष्ठ द्वारा जनपद स्तर पर जनपदों में जाकर 05 दिवसीय "Role of PRIs in Disaster Management" विषयक 07 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- प्रकोष्ठ द्वारा 01 वेबिनार व 03 ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 01 वेबिनार का आयोजन किया गया।
- प्रकोष्ठ द्वारा वित्तीय वर्ष 2021–22 में वर्तमान तक कुल 13 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका विवरण निम्नवत् हैः–

Training Programmes on "Role of PRIs in Disaster Management" (Sponsored by State Government) –

S. No.	Name of the Programme	Date/Duration	Venue	No. of Participants
1	Role of PRIs in Disaster Management	06-10 Sept. 2021	District- Chamoli	58
2	Role of PRIs in Disaster Management	13-17 Sept. 2021	District- Pauri Garhwal	48
3	Role of PRIs in Disaster Management	04-08 Oct. 2021	District- Almora	42
4	Role of PRIs in Disaster Management	11-15 Nov. 2021	UAOA	34
5	Role of PRIs in Disaster Management	11-15 Nov. 2021	UAOA	17
6	Role of PRIs in Disaster Management	03-07 Dec. 2021	Block- Chakrata District- Dehradun	41
7	Role of PRIs in Disaster Management	13-17 Dec. 2021	Block-Mori, District- Uttarkashi	42

Webinar/Online Training Programmes (Sponsored by State Government)-

S. No.	Name of the Programme	Date/Duration	No. of Participants
1.	**Webinar-** COVID 19: Issues & Challenges	16 June, 2021	70
2.	**Online Training Programme-** Mainstreaming DRR into Hospital Disaster Management Plan	26-28 July, 2021	50
3.	**Online Training Programme-** Gender and Disaster	23-25 Aug. 2021	46
4.	**Online Training Programme-** Urban Risk Mitigation: Making Cities Resilience	11-13 Oct. 2021	40

Training Programme (Sponsored by DoPT, New Delhi)-

S. No.	Name of the Programme	Date/Duration	No. of Participants
1	Direct Trainer Skills (DTS)	22-26 Nov. 2021	12

Online Webinar with NIDM, New Delhi-

S. No.	Name of the Programme	Date/Duration	No. of Participants
1	Cold Wave Precautions and Preparedness	28 January, 2022	107

आलोच्य वर्ष 2021–22 में प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियाँः–

- आपदा अपकर्ष पत्रिका का प्रकाशन।
- प्रकोष्ठ को आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के पंचायती राज के प्रतिनिधियों हेतु "Role of PRIs in Disaster Management" विषयक 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु रु0 40,63,000 का बजट आवंटित किया गया।
- अकादमी परिसर में Artificial Climbing Wall का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

भविष्य की रणनीतियाँ/उद्देश्यः–

- राज्य एवं डी.ओ.पी.टी. द्वारा आवंटित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन।
- सेमिनारों का आयोजन।
- विभिन्न आपदाओं के लिये पाठ्य सामग्रियों का निर्माण करना।
- विभिन्न Standard Operation Procedure को तैयार करना।
- राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों से सम्वयन स्थापित करना।

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स

उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) एक स्वायत्तशासी एवं स्ववित्तपोषित संस्था के रूप में सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत की गयी है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में अकादमी निदेशक/महानिदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में, संयुक्त निदेशक पदेन सचिव के रूप में तथा संयुक्त निदेशक पदेन वित्त नियंत्रक के रूप में योगदान प्रदान करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परियोजना आधारित कार्यक्रमों का निष्पादन करना है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) के मुख्य उद्देश्य निम्नवत् हैंः–

- शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, उनका समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्ययोजना को लागू करवाना।
- राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देना।
- शासकीय सुधारों के क्षेत्र में अच्छे कार्यों का अध्ययन तथा उनको अभिलिखित करना, अभिशासन में सुधार तथा ई–गवर्नेन्स के क्षेत्र में अब तक हुए अच्छे कार्यों तथा सुधार के साधनों को संकलित करना।
- उन क्षेत्रों को चिन्हित करना जो सरकार के क्रियाकलापों तथा नीति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं तथा जिनसे जन अपेक्षाओं के अनुरूप बदलाव लाया जा सकता है।
- शासन के लक्ष्यों, उद्देश्यों तथा नीतिगत प्राथमिकताओं को ठोस सुधार के रूप में अनूदित करना तथा शासन के लिए थिंक–टैंक के रूप में कार्य करना।
- माँग के आधार पर विकासात्मक प्रशासन हेतु उपयुक्त अवसर सृजित एवं उपलब्ध कराना जिससे ज्ञान, कौशल एवं अभिवृत्ति तथा अनुभव का विकास एवं उच्चीकरण किया जा सके। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत निम्नलिखित सात परियोजना प्रबन्धन इकाईयाँ (Project Management Units) कार्यरत हैं :–

1.	प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफारमेन्स बजटिंग इकाई
2.	ई–गवर्नेन्स इकाई
3.	प्रलेखन एवं समन्वय इकाई
4.	नगरीय कार्य इकाई
5.	की–रिसोर्स सेन्टर : पेयजल एवं स्वच्छता
6.	बौद्धिक सम्पदा एवं मानवाधिकार इकाई
7.	जेन्डर इकाई

वर्तमान में निदेशक, डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं तथा संयुक्त निदेशक (प्रशासन), सचिव एवं उप– निदेशक (वित्त) द्वारा वित्त नियन्त्रक के दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न इकाईयों में परियोजनाओं के संचालन तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए समन्वयक तथा परियोजना प्रबन्धकों को विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ के रूप में अनुबंधित किया गया है, जो अकादमी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स में कार्यरत संकाय सदस्यों को अपने क्षेत्रों में विशेषज्ञता एवं पर्याप्त अनुभव प्राप्त है तथा उनके द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग करके प्रशिक्षक के रूप में भी विशेषज्ञता प्राप्त की गई है।

(1) प्रोजक्ट प्लानिंग एण्ड परफॉरमेन्स बजटिंग इकाई

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत इस इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई का मुख्य कार्य शासकीय विभागों के साथ मिलकर माँग के आधार पर अभिशासन में सुधार के मुख्य बिन्दुओं को चिन्हित करना, समाधान करना तथा कार्ययोजना तैयार करना एवं उस कार्य योजना को लागू करवाना है। इसके अलावा यह इकाई राज्य तथा स्थानीय प्रशासन के साथ ही राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को अभिशासन में सुधार तथा प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में अभिकल्पन, शोध, एवं कार्ययोजना बनाने तथा उन्हें लागू कराने में परामर्श एवं सुझाव देने का कार्य भी करती है।

(2) ई–गवर्नेन्स इकाई

सूचना तकनीकी का प्रसार अप्रत्याशित गति से हो रहा है। सभी अभिकरणों एवं संस्थाओं को कम्प्यूटरीकृत करने की ओर अग्रसर होना आवश्यक हो गया हैं, साथ ही किसी भी स्तर के कार्मिक के लिये कम्प्यूटर पर कार्य करने की क्षमता एक पूर्वापेक्षा बन गई है। निर्णय प्रक्रियाओं के समय से सम्पादित होने के लिये आवश्यक है कि पूर्ण सूचनाएँ न्यूनतम समय में प्राप्त हो सकें, और इस रूप में

प्राप्त हों कि उनका विश्लेषण यथासमय किया जा सके। राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति, 1996 के अनुरूप सभी के लिये प्रशिक्षण तथा सरकारी कार्मिकों हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण के उद्देश्य से इस पी.एम.यू. द्वारा प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है। साथ ही इकाई सॉफ्टवेयर विकास, कम्प्यूटरीकरण तथा कम्प्यूटर अवस्थापनाओं के सम्बन्ध में एक परामर्शदाता की भूमिका का भी सक्रियता से निर्वहन करती है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत गठित ई–गवर्नेन्स इकाई के द्वारा प्रति वर्ष कम्प्यूटर एप्लीकेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के न केवल अधिकारीगण वरन अन्य कार्मिकों को भी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इन सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विशेषता यह है कि इनमें कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कार्यप्रणाली के प्रशिक्षण के साथ ही की–बोर्ड उपयोग की तकनीकी और हिन्दी में सभी प्रकार के कार्य करने की विधियों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। परिचर्चाओं के दौरान सम्बन्धित विभागों के कम्प्यूटरीकरण पर भी परामर्श दिया जाता है।

(3) प्रलेखन एवं समन्वय इकाई

सूचना का संकलन और संप्रेषण डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल की एक प्रमुख गतिविधि है, अतः सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं व कार्यक्रमों की गतिविधियों के सुव्यवस्थित अभिलेखन हेतु प्रलेखन इकाई की स्थापना की गई है। इसके संचालन का दायित्व पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र को सौंपा गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा सेन्टर फार गुड गवर्नेन्स की विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों के अभिलेखीकरण में गुणवत्ता व एकरूपता बनाये रखने के साथ–साथ प्रकाशन हेतु परामर्श व तकनीकी सहायता भी दी जाती है तथा विभिन्न प्रलेखों के प्रकाशन, विक्रय और रखरखाव का भी कार्य किया जा रहा है। प्रलेखन इकाई द्वारा प्रकाशनों को अलग–अलग श्रृंखला के रूप में प्रकाशित किया जाता है। इन प्रकाशनों को प्रकाशित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रदेश के अधिकारियों में विवेचन तथा विचारों का प्रवाह होता रहे। सी.जी.जी. द्वारा प्रकाशित विभिन्न साहित्य के मुद्रण, सम्पादन व विक्रय की सम्पूर्ण व्यवस्था का समन्वय पी.एम.यू. प्रलेखन द्वारा सम्पादित किया जाता है। स्थापना से लेकर अब तक 90 से अधिक प्रलेखों का प्रकाशन व वितरण किया गया है। प्रलेखन इकाई द्वारा अकादमी में स्थापित फोटो कॉपियर मशीन का अनुबन्ध मैसर्स मोदी जिरौक्स के साथ कर फोटोकापी कार्य पर नियन्त्रण तथा मशीनों के रख–रखाव तथा उपभोग्य सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता है। यह सभी कार्य सशुल्क किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त प्रति वर्ष विभिन्न विभागों/संस्थाओं इत्यादि द्वारा माँग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि अकादमी में निरन्तर रूप से आयोजित किये जाते रहते हैं, जिनके समन्वय एवं संचालन का कार्य प्रलेखन एवं समन्वय इकाई के अन्तर्गत प्रशासनिक अधिकारी, सी0जी0जी0 अथवा अकादमी निदेशक/सीईओ महोदय द्वारा नामित संकाय अधिकारी द्वारा किया जाता है। आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

1.	Orientation Course for Homeopathic Doctors (DDos)	6-Days	28.2.2022	5.3.2022	N.S.Nagnayal Manwar Singh	15
Total number of Participants						**15**
Total number of Programmes						**1**

(4) शहरी विकास प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ की परिकल्पना एवं स्थापना शहरी विकास तथा प्रबन्धन के सन्दर्भों में मानव संसाधन विकास हेतु प्रशिक्षण, शोध एवं अभिलेखन गतिविधियों के आयोजन तथा विशेषज्ञतापूर्ण परामर्शदात्री इकाई के रूप में की गयी। प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नगरीय प्रबन्धन में बढ़ती भूमिका तथा नगरीय प्रबन्धन से जुड़े विभिन्न कार्यदायी विभागों, अभिकरणों व संस्थानों के अधिकारियों व कार्मिकों सहित निर्वाचित शहरी निकाय प्रतिनिधियों के लिये क्षमता संवर्धन की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 1995 में शहरी विकास प्रकोष्ठ का गठन आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम 'हड्को' के मानव बसाव प्रबन्धन संस्थान (एच.एस. एम.आई.), नई दिल्ली के सहयोग से उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखण्ड) प्रशासन अकादमी, नैनीताल स्थित सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट स्टडीज के अन्तर्गत किया गया था। एच.एस.एम.आई. द्वारा इसी उद्देश्य से देश के विभिन्न राज्यों में स्थित प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों/अकादमियों में ''हडको चेयर्स'' की स्थापना की गयी है। प्रकोष्ठ को पूर्व में परियोजना प्रबन्धन इकाई–नगरीय कार्य का नाम दिया गया था। सेन्टर फॉर डेवलपमेन्ट स्टडीज की गतिविधियां समाप्त होने के उपरान्त उत्तराखण्ड शासन की सहमति पर अप्रैल, 2005 से हड्को चेयर की गतिविधियों को अकादमी अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के अन्तर्गत नियमित करते हुए संचालित किया जा रहा है।

वर्तमान में शहरी विकास प्रकोष्ठ को शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा Integrated Capacity Building Framework के अन्तर्गत शहरी विकास प्रकोष्ठ को राज्यों के शहरी निकायों एवं कार्यदायी संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों में क्षमता संवर्धन हेतु Empanelled Training entity के रूप में चयनित किया गया है। इसके अन्तर्गत शहरी विकास प्रकोष्ठ द्वारा निर्वाचित जन प्रतिनिधि/शहरी स्थानीय निकाय एवं कार्यदायी विभागों मे कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/अध्ययन भ्रमण इत्यादि का आयोजन के अतिरिक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल एवं पाठ्य सामग्री का निर्माण करने का कार्य भी किया जा रहा है। प्रकोष्ठ का NIUA द्वारा विकेन्द्रीकृत स्वच्छता समाधान को स्थापित करने हेतु उत्तराखण्ड राज्य के शहरी विकास एवं कार्यदायी संस्थाओं में कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण देने हेतु शहरी विकास प्रकोष्ठ (सी.जी.जी.) उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी के साथ अनुबंध किया गया है, जिसके अन्तर्गत वर्ष 2022/23 के लिये

प्रशिक्षण कार्यक्रम किये जाने है। प्रकोष्ठ द्वारा NIUA के साथ ITCN Framework के अन्तर्गत सरकारी अधिकारियों के लिये क्षमता संवधर्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

शहरी विकास प्रकोष्ठ के लक्ष्य/उद्देश्य एवं कार्य :–

प्रकोष्ठ का प्रमुख लक्ष्य शहरी विकास एवं प्रबन्धन के उद्देश्य से विभिन्न विभागों/संस्थानों द्वारा संचालित कार्यक्रमों को मूर्त रूप दिये जाने हेतु शहरी स्थानीय निकायों, विभिन्न कार्यदायी विभागों तथा अभिकरणों में प्रदेश स्तर से कटिंग–एज स्तर पर कार्यरत अधिकारियों, कार्मिकों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों में ज्ञान तथा कौशल विकास के माध्यम से उनकी क्षमता विकास आवश्यकताओं की पूर्ति करना रखा गया है. इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निम्नांकित विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किये गये हैं :

- प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में आवासीय, शहरी विकास एवं प्रबन्धन के कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने में शहरी निकायों तथा अन्य कार्यदायी संस्थाओं को आवश्यकतानुसार अपेक्षित सहयोग प्रदान करना तथा इस हेतु कार्यरत अधिकारियों, कार्मिकों एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों में अपेक्षित ज्ञान तथा कौशल विकास हेतु क्षमता विकास कार्यक्रमों का नियोजन एवं क्रियान्वयन।
- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं तथा नगरीय सुधारों के सन्दर्भ में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिकाओं को समृद्ध किये जाने हेतु प्रयास।
- उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए सहायक गतिविधियों जैसे शोध, प्रलेखन, प्रशिक्षण, पाठ्क्रमों का विकास तथा प्रसार करना आदि।
- नगरीय विकास एवं इससे सन्दर्भित क्षमता विकास कार्यों को बढ़ाये जाने एवं बेहतर गुणवत्ता प्राप्ति के उद्देश्य से राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों के साथ सम्पर्क स्थापना (नेटवर्किंग) करना।

उपरोक्त वर्णित लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये प्रकोष्ठ द्वारा मुख्य रूप से निम्नांकित गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन किया जा रहा हैः

- शहरी विकास तथा प्रबन्धन हेतु कार्यरत विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के क्षमता विकास को लक्षित करते हुए प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन एवं तद्नुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियोजन व संचालन।
- आवश्यकता आधारित एवं लक्ष्य पूर्तिपरक प्रशिक्षण पाठ्क्रमों का विकास जिनमें ज्ञान व कौशल विकास के साथ ही अभिवृत्ति परिवर्तन भी समावेशित है।
- चतुर्मुखी व व्यवस्थापरक सिद्धान्त प्रशिक्षण कार्यशैली।
- संस्थागत बहुलवाद एवं पारस्परिक सहयोग की दिशा में प्रयास।

- शासन, कार्यदायी विभागों, संस्थाओं, संगठनों, स्थानीय निकायों, जनता तथा विषय विशेषज्ञों के मध्य परस्पर समन्वय कार्य तथा शासन व स्थानीय प्रशासन को नीति व रणनीति बनाने में अपेक्षानुसार सहायता/सलाह प्रदान करना।
- महिलाओं एवं शहरी गरीबों के सशक्तीकरण सम्बन्धी प्रयास तथा इनके विकास से सम्बन्धित कार्यक्रमों में भागीदार अधिकारियों व कार्मिकों के क्षमता संवर्धन हेतु प्रयास।
- शहरी विकास से जुड़े हुये समस्त अधिकारियों को सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन पर कौशल प्रदान करना।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में इकाई/प्रकोष्ठ की उपलब्धियॉ :

- NIUA द्वारा विकेन्द्रीकृत स्वच्छता समाधान को स्थापित करने हेतु उत्तराखण्ड राज्य के शहरी विकास एवं कार्यदायी संस्थाओं में कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण देने हेतु शहरी विकास प्रकोष्ठ (सी.जी.जी.) उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी के साथ अनुबंध किया गया है। जिसके अंतर्गत 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न कराये गये।
- प्रशिक्षण एवं कार्मिक विभाग (डी.ओ.पी.टी.), नई दिल्ली द्वारा 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम की संस्तुति प्राप्त हुई थी। जिसमें प्रकोष्ठ द्वारा 06 प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण कर लिये गये है।
- ITCN कार्यक्रम के अन्तर्गत NIUA एवं सी.जी.जी., डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के मध्य अनुबंध किया गया है। जिसके अन्तर्गत ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाने है। जिसके अन्तर्गत 01 Consultative Workshop को ऑनलाईन माध्यम से सम्पन्न किया जा चुका है।
- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा National Level-1 अधिकारियों के लिये प्राप्त 06 प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 01 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका हैं।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF &CC), भारत सरकार से प्राप्त IFS अधिकारियों हेतु 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा चुका है।

संचालित विभिन्न नवीन गतिविधियों का विवरण :

- National Institute of Urban Affairs (NIUA) नई दिल्ली, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, (MoHUA) भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था है। NIUA द्वारा विकेन्द्रीकृत स्वच्छता समाधान को स्थापित करने हेतु उत्तराखण्ड राज्य के शहरी विकास एवं कार्यदायी

संस्थाओं में कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण देने हेतु शहरी विकास प्रकोष्ठ (सी.जी.जी.) उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी के साथ अनुबंध विस्तारित किया गया है, जिसके अन्तर्गत 04 प्रशिक्षण कार्यक्रम Face to Face एवं 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से किये जाने है

- ❖ Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA) के एकीकृत क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत मध्य प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के लिये शहरी मिशन (PMAY,NULM) के कार्यक्रम किये जाने प्रस्तावित है।
- ❖ प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षण एवं कार्मिक विभाग (डी.ओ.पी.टी.), नई दिल्ली को स्वीकृति हेतु वित्तीय वर्ष 2022–23 में 16 प्रशिक्षण कार्यक्रम शहरी विकास विषय पर भेजे गये हैं।
- ❖ प्रकोष्ठ को उच्चीकृत कर ''राज्य नगरीय विकास संस्थान'' के रूप में अकादमी में स्थापित करना प्रस्तावित किया जा चुका हैं।

संकाय द्वारा प्रशिक्षण/कार्याशाला में प्रतिभाग

1. NIUA के माध्यम से Urban River Management Plan (URMP) में आधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 09 दिसम्बर, 2021 को "Stakeholder Condultative Workshop" में प्रतिभाग किया गया।
2. Online Advance Training Programme on "Planning for Faecal Sludge and Septage Management" dated 18-26 December, 2021 में प्रतिभाग किया गया।
3. NIUA द्वारा "Climate Smart Cities Assessment Framework" में प्रतिभाग किया गया।
4. Best Practices in "Water Resource Management" conducted by USERC, Dehradun Uttarakhand में प्रतिभाग किया गया।

आलोच्य वर्ष में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

Webinar/ Training Programmes

1.	Orientation training Progrmme on Faecal Sludge Septage Management (FSSM) **(Online NIUA)**	2-Days	08.04.2021	09.04.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	27
2.	Orientation training Progrmme on Faecal Sludge Septage Management (FSSM) **(Online NIUA)**	2-Days	15.04.2021	16.04.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	26
3.	Orientation training Progrmme on Faecal Sludge Septage Management (FSSM) **(Online NIUA)**	2-Days	22.04.2021	23.04.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	31
4.	Women Empowerment and	3-Days	07.07.2021	09.07.2021	Manoj Pande, Incharge,	29

	participation in Urban Development (**Online) (DOPT)**				UDC	
5.	Creating Sustainable Cities & Communities with a Special Focus on Hilly Areas **(Online) (DOPT)**	3-Days	09.08.2021	11.08.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	34
6.	One Week Compulsory Training Course on Good Governance: Learning from India and Abroad **(Online, IFS)**	5-Days	23.08.2021	27.08.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	35
7.	Disaster Preparation and Mitigation Strategies in Urban Areas **(Online) (DoPT)**	3-Days	20.09.2021	22.09.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	28
8.	Service Delivery/Functionality of FHTCs **(JJM) (Face to Face)**	2-Days	12.10.2021	13.10.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC	23
9.	The Role of PPP in Affordable Housing Issues Challenges and Way Forward **(Online) (DoPT)**	3-Days	25.10.2021	27.10.2021	Manoj Pande, Incharge, UDC Manoj Pande, Incharge, UDC	31
10.	The Role of Community Participation in Sustainable Solid Waste Management **(Online) (DoPT)**	3-Days	10.11.2021	12.11.2021	Mr. Manoj Pande, Incharge, Urban Development Cell	24
11.	New Initiatives in Urban Financing Credit, Rating, Municipal Bonds & Value Capture Financing **(DoPT) (Face to Face)**	3-Days	25.11.2021	27.11.2021	Mr. Manoj Pande, Incharge, Urban Development Cell	24
12.	ITCN Consultative Workshop **(Online)**	1-Day	03rd January, 2022		Manoj Pande, Incharge, UDC	48
Total number of Participants						**360**
Total number of Programmes						**12**

(5) की–रिसोर्स सेन्टर (पेयजल एवं स्वच्छता इकाई)

की–रिसोर्स सेन्टर, (पेयजल एवं स्वच्छता) की स्थापना अप्रैल 2005 में पेयजल आपूर्ति विभाग, ग्राम विकास मंत्रालय, भारत सरकार जो वर्तमान में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के रूप में सहयोग से उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में की गयी। की रिसोर्स सेन्टर द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से देश के समस्त राज्यों में क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, शोध एवं अध्ययन कार्य किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सहस्त्राब्दी विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये स्वच्छता कार्यक्रम को केन्द्रीय मानते हुए वर्ष 2008 में अर्न्तराष्ट्रीय स्वच्छता वर्ष के रूप में मनाया गया पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार की रिसोर्स सेन्टर, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को मुख्य एजेन्सी के रूप में चिन्हित किया गया।

उद्देश्य

- ❖ पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में अध्ययन, मूल्यॉकन, समीक्षा एवं शोध कार्यों का प्रस्ताव बनाना तथा क्रियान्वित करना।
- ❖ पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, समुदाय आधारित संगठनों पंचायत राज संस्थाओं तथा व्यक्तिगत सलाहकारों के लिए क्षमता संवर्धन की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को चिन्हित करना।
- ❖ आवश्यकतानुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करना।
- ❖ राज्यों में कार्यरत कम्युनिकेशन एण्ड कैपेसिटी डेवलपमेंट यूनिट्स (सी.सी.डी.यू.) को तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण प्रदान करना।
- ❖ पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर में राज्य स्तरीय मानव संसाधन विकास एवं सूचना, शिक्षा एवं संचार की रणनीति तथा कार्ययोजना विकसित करना।
- ❖ पेयजल एवं स्वच्छता सेक्टर हेतु कार्यशालाएँ, सेमिनार, सम्मेलन आयोजित करना।

विभिन्न संस्थाओ से नेटवर्किंग

के. आर. सी द्वारा ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता हेतु कार्य कर रही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सरकारी विभागों/गैर सरकारी संगठनों/शोध संस्थाओं के साथ नॉलेज मैनेजमेन्ट हेतु नेटवर्किंग किया गया है। जैसे पेयजल मंत्रालय भारत सरकार, डब्लू.एस.पी. साउथ एशिया विश्व बैंक, कुमाऊँ विश्व विद्याालय, नॉलेज लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड, यूनीसेफ, वाटर एड, आई.टी.आर.सी. लखनऊ, आई.डी.एस., हिमालयन स्टडी सर्किल पिथौरागढ़, रूरल इनिसिएटिवस फॉर सोशियल इंजीनियरिंग (राइज), सोसाइटी फॉर एक्शन इन माउन्टेनस विलेज इकोलॉजिकल डेवलपमेन्ट एण्ड इनिशिएटिवस (संवेदी)।

वित्तीय वर्ष 2020–21 में इकाई/प्रकोष्ठ की उपलब्धियाँ :

जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या W-11012/18/2020-JJM-III-DDWS दिनांक 09 अप्रैल, 2021 द्वारा नेशनल की रिसोर्स सेन्टर (पेयजल एवं स्वच्छता), डा. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल को राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मार्च, 2024 तक Empanelment किया गया है।

इकाई की भविष्य की रणनीतियाँ/उद्देश्य/प्रशिक्षण गतिविधियों सम्बन्धी जानकारियाँ :

- ❖ जल जीवन मिशन के अन्तर्गत भारत के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों/क्षेत्र अध्ययन भ्रमण/मूल्यांकन एवं शोध कार्यो का आयोजन।
- ❖ पी. एच. ई. डी. राजस्थान द्वारा स्वीकृत विभागीय अभियन्ताओं हेतु जल जीवन मिशन के अन्तर्गत क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
- ❖ की रिसोर्स सेन्टर, सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स एवं जल शक्ति विभाग, हिमाचल प्रदेश, शिमला के संयुक्त समन्वय से जल जीवन मिशन के अन्तर्गत क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं क्षेत्र अध्ययन भ्रमण कार्यक्रमों का आयोजन।
- ❖ राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास विभाग हेतु जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन।
- ❖ जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन–2 के अन्तर्गत ओ0डी0एफ0 स्थायित्व एवं ठोस अपशिष्ठ प्रबन्धन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन एवं अध्ययन भ्रमण।
- ❖ डी.ओ.पी.टी. भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है।

आलोच्य वर्ष 2021– 2022 में इस इकाई द्वारा निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः–

1.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	09/09/2021	10/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	34
2.	Integrated water resources management for	2-Days	15/09/2021	16/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	45

	Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)					
3.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	23/09/2021	24/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	40
4.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	27/09/2021	28/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC Dr. Om Prakash Asso. Prof. DMC	40
5.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal (National)	1-Week	25/10/2021	29/10/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	25
6.	Orientation of JAL JEEWAN Mission for Level-1 Officers (State Lvel)	3-Days	16/11/2021	18/11/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	20
7.	Participatory Planning	1-Week	22/11/2021	26/11/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	21

	implementation and O & M Har Ghar Jal (National Level)					
8.	Orientation of JAL JEEWAN Mission for Level-2 Officers (State Level)	3-Days	10/12/2021	12/12/2021	Manvar Singh Consultant:Gender Issues	23
9.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal (National Level)	1-Week	03/01/2022	07/01/2022	Manoj Pandey Incharge:UDC	33
10.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal	5-Days	07/3/2022	11/03/2022	Poonam Pathak Dy.Drrector	25
11.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal	5-Days	21/3/2022	25/03/2022	Manoj Pandey Incharge:UDC	22
Total number of Participants						**328**
Total number of Programmes						**11**

(7) जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ

भारतीय संविधान की आत्मा सभी के लिए समानता तथा भेदभाव रहित समाज की रचना में ही बसती है। यद्यपि संविधान में जाति, धर्म, रंगभेद, के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव पूर्ण व्यवहार को अस्वीकार किया है तथा अवसरों तक सभी की पहुँच के लिए समान अवसर प्रदान करने का प्राविधान है, किन्तु वास्तविकता में महिलाओं की आधी आबादी होने के बावजूद भी अवसरों तक उनकी पहुँच बहुत कम रही है। कारणों की पडताल करने पर हमारे सामाजिक ढांचे में व्याप्त लैंगिक असमानता है, जो रीति–रिवाजों, रहन–सहन, घरेलू दिनचर्या तथा सामाजिक भूमिकाओं को तय करते समय दिखाई पड़ती है। इसी जेण्डर असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत जेण्डर इश्यूज प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है, जिसके अन्तर्गत जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थाओं/एजेन्सियों में

कार्यरत महिलाओं को क्षमता विकास प्रशिक्षणों के माध्यम से साामजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में सुदृढ़ बनाने हेतु अग्रणीय प्रयास किये जा रहे है।

लक्ष्य

महिला सशक्तिकरण की सतत प्रक्रिया में महिलाओं का क्षमता विकास तथा शिक्षा, आर्थिक संसाधनों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तक उनकी पहुँच बढ़ाकर समाज में जेण्डर न्याय तथा समानता की स्वस्थ सोच का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

उद्देश्य

- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संतुलन के लाभों का समझना है।
- संतुलित जीवन शैली के लिए नियोक्ता संसाधनों के बारे में जानना।
- प्रभावी ढंग से दूरसंचार।
- अपने लिए प्रभावी कार्यविधियों का पता लगाना।
- लैंगिक समानता अपने आप में लक्ष्य है। यह समावेशी विकास और समाजों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण साधन है।
- प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना।
- प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करनें में सहायता करना।
- सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी प्रशिक्षण पर आधारित गुणों को एवं कौशल को विकसित करना जिससे वे कुशल प्रबन्धकों के रूप में अपने अधीनस्थों में कार्यक्षमताओं का विकास करना प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

2. वित्तीय वर्ष 2021–22 में इकाई /प्रकोष्ठ की विशिष्ट उपलब्धियॉ

- Panchayati Raj Training

उत्तराखण्ड राज्य के पंचायती राज विभाग के ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रदेश तथा कार्यक्षेत्रों की समस्याओं को समाधान के लिए उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करना है। जिससे वे अपने देश एवं प्रदेश के आवश्यकतानुसार कार्य करने के लिए तैयार हो।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य–

- प्रदेश की विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करना।
- प्रतिभागियों को लोक प्रशासन में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवेश की चुनौतियों के विश्लेषण व समाधान की क्षमता विकसित करनें में सहायता करना।

परिणाम– इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न विभागो के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में अर्जित कौशल को उनके कार्यक्षेत्रों के लिये अत्यन्त उपयोगी बताया गया।

- **Gender Equality and Gender Mainstreaming in Workplace**
  लैंगिक समानता का उद्देश्य पुरुषों और महिलाओं के बीच सभी सीमाओं और मतभेदों को दूर करना है। यह पुरुष और महिला के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करता है। जेण्डर समानता पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करती है, चाहे वह घर पर हो या शैक्षणिक संस्थानों में या कार्यस्थलों पर।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य** –लैंगिक समानता अपने आप में लक्ष्य है यह समावेशी विकास और समाजों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण साधन है।

  परिणाम– इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्रभावी तरीके से देश की व्यापक सरकारी नीति और विकास के एजेंडे को समान दृष्टि से देखना है ऐसा करने से लैंगिक समानता की दृष्टि, सभी सरकारी और गैर सरकारी द्वारा सम्पूर्ण सरकार और सम्पूर्ण समाज के रूप में प्रचारित और प्रसारित हो सके।

- Role of Women in Agriculture and Gender Specific Agriculture Policy

  कृषि अनेक देशों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आजीविका का प्राथमिक स्रोत है। कृषि में महिलाओं की भूमिका को गौण या सहायक माना जाता है, जबकि पुरुषों की प्राथमिक कार्य करने, भूमि का स्वामित्व रखने, अन्य अधिकारों और बड़े निर्णय लेने की शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए माना जाता है। कृषि में महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिलना इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य** –किसानों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। महिलाएं समाज की वास्तविक प्रकाश वाहक हैं। कृषि कार्य में शामिल

महिलायें देश का भविष्य है उनका पोषण व सुरक्षा सुनिश्चित करना इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है।

परिणाम – इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न विभागो के अधिकारियों द्वारा समझने का प्रयास किया गया कि कृषि में महिलाओं के कार्य बोझ को कम करने के लिये कुछ आवश्यक कदम उठाये जा सकते हैं जिससे वे अपने कार्य बोझ को कम कर सके तथा लाभ अधिक ले सकें।

- Design of Training (DoT)

  (DoT) प्रशिक्षण एक नियोजित, संगठित और नियंत्रित गतिविधि है जिसे वर्तमान में प्रदर्शन के कुछ पहलुओं या पहलुओं को व्यक्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कौशल उन्मुख है और यह आमतौर पर संगठन के कल्याण के लिए अभिप्रेत है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य** –यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नियोजित, संगठित और नियंत्रित गतिविधि है जिसे वर्तमान में प्रदर्शन के कुछ पहलुओं या पहलुओं को व्यक्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिससे अधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम में अर्जित कौशल को समझकर अपने कार्यक्षेत्र में इसका लाभ उठा सकें।

  परिणाम – इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षित विभिन्न विभागो के अधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम में अर्जित कौशल को उनके कार्यक्षेत्रों के लिये अत्यन्त उपयोगी बताया गया।

- Gender in Programming Issues and Our Organizational Culture

  जेंडर व्यक्तित्व विशेषताओं, अभिवृत्तियों, अनुभूतियों, मूल्यों, व्यवहारों एवं गतिविधियों के सम्पूर्ण प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखा जा सकता है, जिन्हें समाज विभेदन (Discrimination) के आधार पर स्त्री–पुरुषों को सौंपता है। यह एक ऐसी सामाजिक अवधारणा है जो विभिन्न समाजों में और विभिन्न काल में बदलती रही है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य–** इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उनके सभी सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी, कार्मिक से है जो इस प्रशिक्षण पर आधारित गुणों को विकसित करना जिससे वे कुशल प्रबन्धकों के रूप में अपने अधीनस्थों में कार्यक्षमताओं का विकास कर सके।

परिणाम – निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ऐसे प्रशिक्षण आयोजित करना, जिसमें सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को आमंत्रित किया जा सके यह प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त लाभान्वित रहा।

- Capacity Building Training for Integrated Water Resources Management for Water Resources Engineers and Managers

  इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा जल संसाधनों का सतत प्रबंधन और सुरक्षित पानी की आपूर्ति, अपशिष्ट जल पुर्नचक्रण और वर्षा जल संचयन के लिए आधुनिक तकनीक और नवीन पद्धतिया को कैसे अपनाया जाय तथा पहाड़ी शहरों में जलापूर्ति के लिए चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्षा जल संचयन कर जल संरक्षण, कमी, जलवायु परिवर्तन और स्प्रिंग शेड कायाकल्प में अच्छे अभ्यास करना है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य–** इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी, कार्मिक से है जो इस प्रशिक्षण पर आधारित गुणों को विकसित कर वे कुशल प्रबन्धकों के रूप में अपने अधीनस्थों में कार्यक्षमताओं का विकास कर सके।

  परिणाम – निष्कर्ष रूप से कहा जा सकता है कि वर्षा, जल संरक्षण का मुख्य उद्देश्य घरों के छत पर जल संचय कर भू–जल को एकत्र करना आवश्यक है ताकि जमीन का जलस्तर बरकरार रह सके तथा पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो।

- Sustainable Development Managed Water Supply and Sanitation

  आर्थिक विकास और उत्पादकता को अनलॉक करने और स्वास्थ्य और शिक्षा में मौजूदा निवेश के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने के लिए जल संसाधनों का सतत प्रबंधन और सुरक्षित पानी और स्वच्छता तक पहुंच आवश्यक है। प्राकृतिक पर्यावरण जैसे, जंगल, मिट्टी और आर्द्रभूमि, पानी की उपलब्धता और पानी की गुणवत्ता के प्रबंधन और विनियमन में योगदान करते हैं, संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 6 पेयजल, स्वच्छता और स्वच्छता से आगे बढ़कर जल संसाधनों की गुणवत्ता और स्थिरता को भी संबोधित करना है।

- **प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन, आयोजित करने का उद्देश्य** –यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वच्छता और स्वच्छता से आगे बढ़कर जल संसाधनों की गुणवत्ता और स्थिरता को भी संबोधित करना है। जिसे वर्तमान में प्रदर्शन के कुछ पहलुओं या

पहलुओं को व्यक्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिससे अधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम में अर्जित कौशल को समझकर अपने कार्यक्षेत्र में इसका लाभ उठा सकें।

परिणाम – सतत् विकास लक्ष्यों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इस बात के लिए संकल्पित कर दिया है कि वह जल एवं स्वच्छता से संबंद्ध गतिविधियों के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कार्यक्रमों का विस्तार करे और जल एवं स्वच्छता प्रबंधन में सुधार के लिए स्थानीय समुदायों को समर्थन दे। सभी के द्वारा संकल्प लिया है कि अगले 15 वर्ष में सुरक्षित पेयजल और पर्याप्त स्वच्छता और साफ–सफाई की सुविधा सबके लिए सर्वत्र सुलभ कराना है।

3. सम्बन्धित इकाई की भविष्य की रणनीतियॉ/उददे्श्य तथा प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियॉ।

- कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रमों के माध्यम से कामकाजी महिलाओं तथा अधिकारियों को व्यक्तित्व सुधार तथा कार्यक्षेत्र एवं पारिवारिक जीवन में संतुलन के तरीके बताये जायेंगे।
- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, पीओएसएच (POSH) जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायेगे। तथा लोक प्रशासन में नैतिकता और मूल्य, संचार और प्रस्तुति कौशल, जेण्डर संवेदीकरण, प्रभावी कार्यस्थल उत्कृष्टता के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- इसके अतिरिक्त नई शिक्षा नीति 2020, जेण्डर संवेदनशील शासन तथा जेण्डर संवेदनशील संगठनात्मक कार्य संस्कृति के विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन एवं आयोजित किये जायेगे जिनसे काम काजी महिलाओं को कार्य करने हेतु अनुकुल वातावरण प्राप्त हो सके।
- जेण्डर बजटिंग में इस वर्ष जेण्डर प्लानिंग को समाहित कर पंचायत प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों को ग्रामाणी स्तर पर ही जेण्डर रिस्पोंसिव बजट तथा प्लानिंग में सहभागिता बढ़ाने के प्रयास किये जायेंगे।
- भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा महिला उद्यमिता कौशल में आने वाली व्यवहारिक कठिनाईयों को दूर करने हेतु कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

4. वित्तीय वर्ष 2021–22 में आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार :

प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार हैः जिसमें उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के 238 अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रायोजक विभाग/ संस्था का नाम : कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम

क्र स	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	आयोजन तिथि	आयोजन स्थल का नाम	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभा गियों की संख्या
1	Gender equality and gender mainstreaming in workplace (Online Programme)	26- 28 August, 2021	Dr. RSTUAOA	Dr. Manju Pande	53
2	Role of women in agriculture and gender specific agriculture policy. (Online Programme)	6-8 September, 2021	Dr. RSTUAOA	Dr. Manju Pande	64
3	Design Of Training (DoT)	21-25 September, 2021	Dr. RSTUAOA	Dr. Manju Pande	14
4	Gender in programming issues and our organizational culture	21-23 October, 2021	Dr. RSTUAOA	Dr. Manju Pande	24
5	Capacity Building Training for Integrated Water Resources Management for Water Resources Engineers and Managers	20-24 December, 2021	Dr. RSTUAOA	Mr. Manwar Singh	19
6	Sustainable Development Managed Water Supply and Sanitation"	03 - 05 January, 2022	Dr. RSTUAOA	Mr. Manwar Singh	40

प्रायोजक विभाग/ संस्था का नाम : उत्तराखण्ड राज्य के पंचायती राज विभाग के ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों हेतु 06 दिसवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रस	प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	आयोजन तिथि	आयोजन स्थल का नाम	कार्यक्रम निदेशक/ समन्वयक का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	Panchayati Raj	08-13 February, 2021	Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital	Dr. Manju Pande	24

प्रशिक्षण गतिविधियों का चार्ट निरूपण

Organization Wise Break-up of Training Programmes (2021-2022)

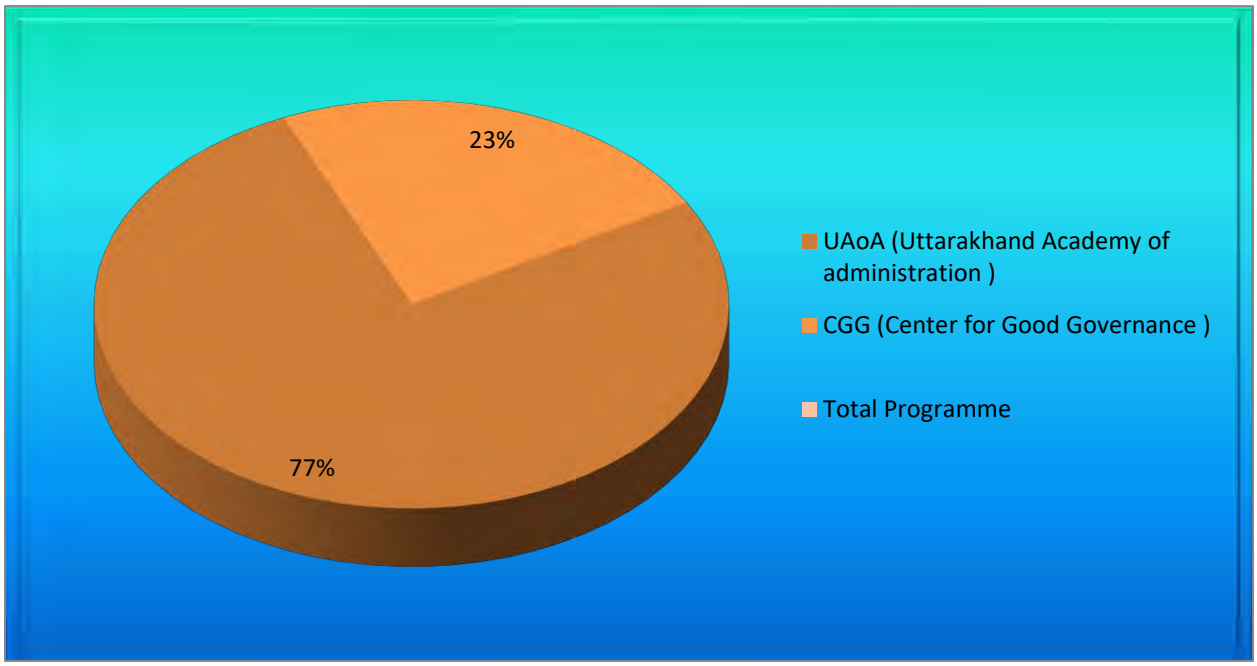

Organization Wise Break-up of Participants (2021-2022)

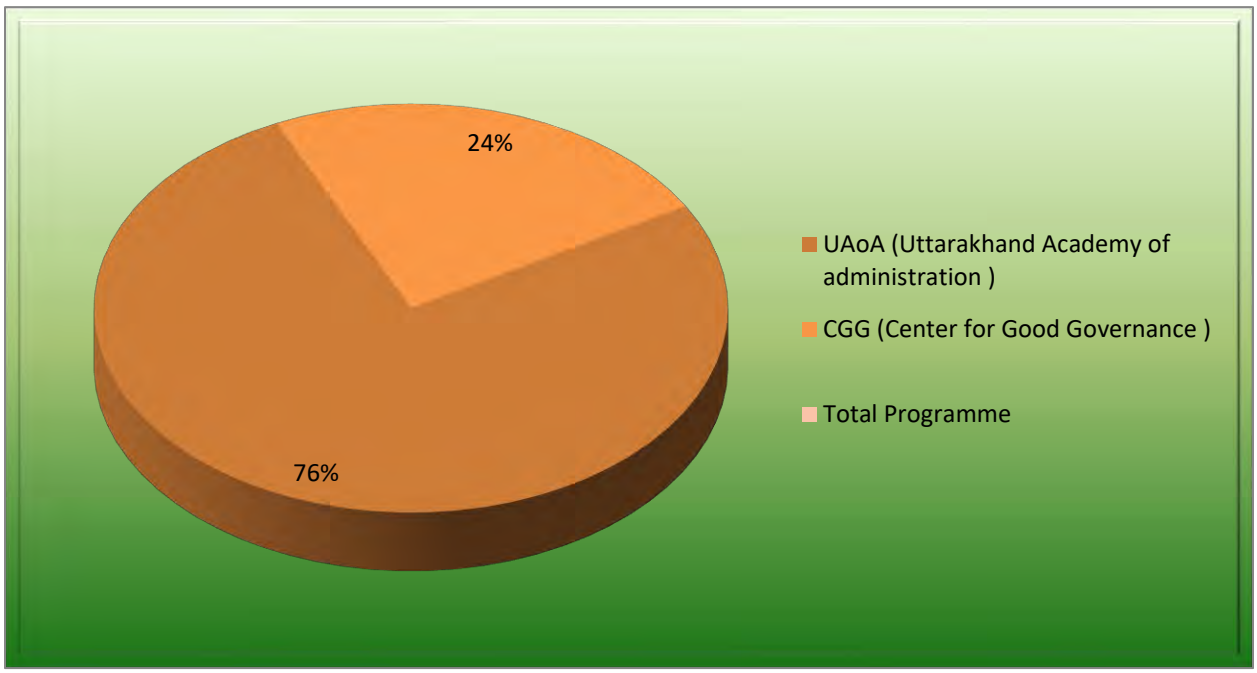

Category Wise Training Programmes of UAoA (Online) (2021-2022)

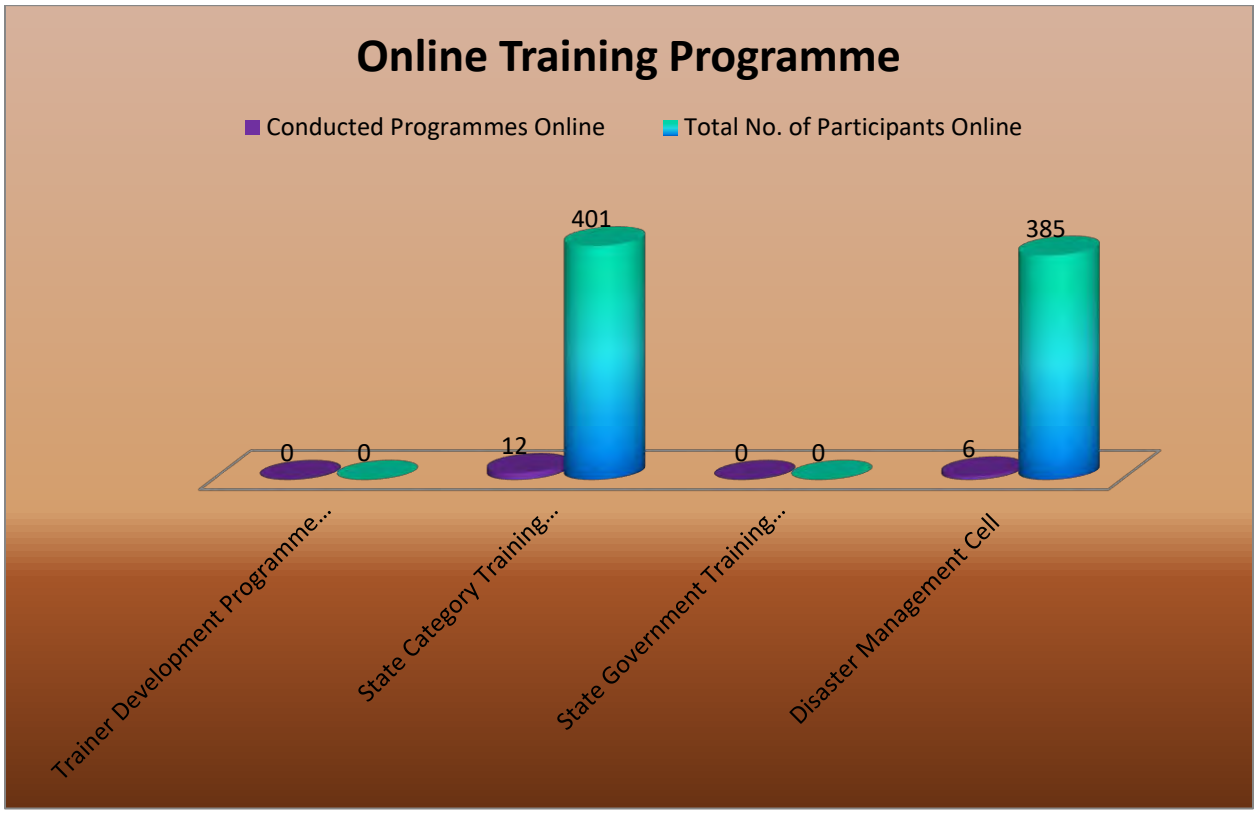

Category Wise Training Programmes of UAoA (Offline) (2021-2022)

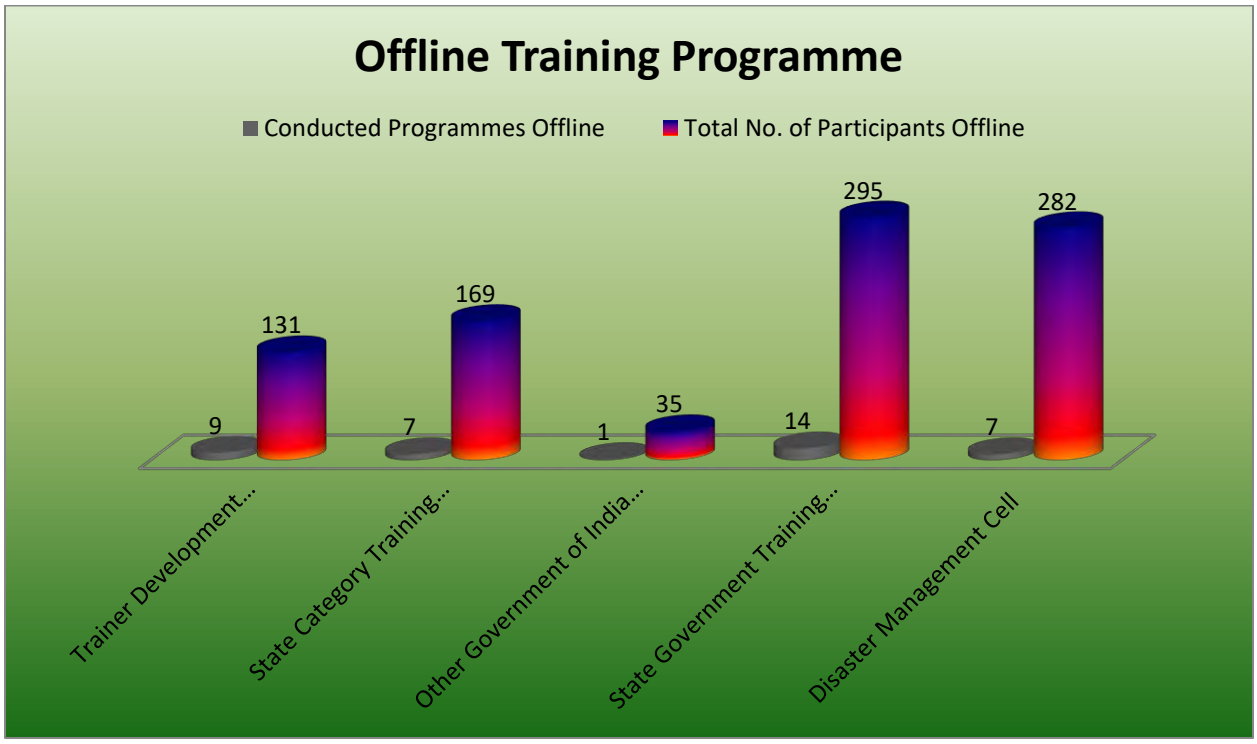

Category Wise Training Programmes of CGG (Online) (2021-2022)

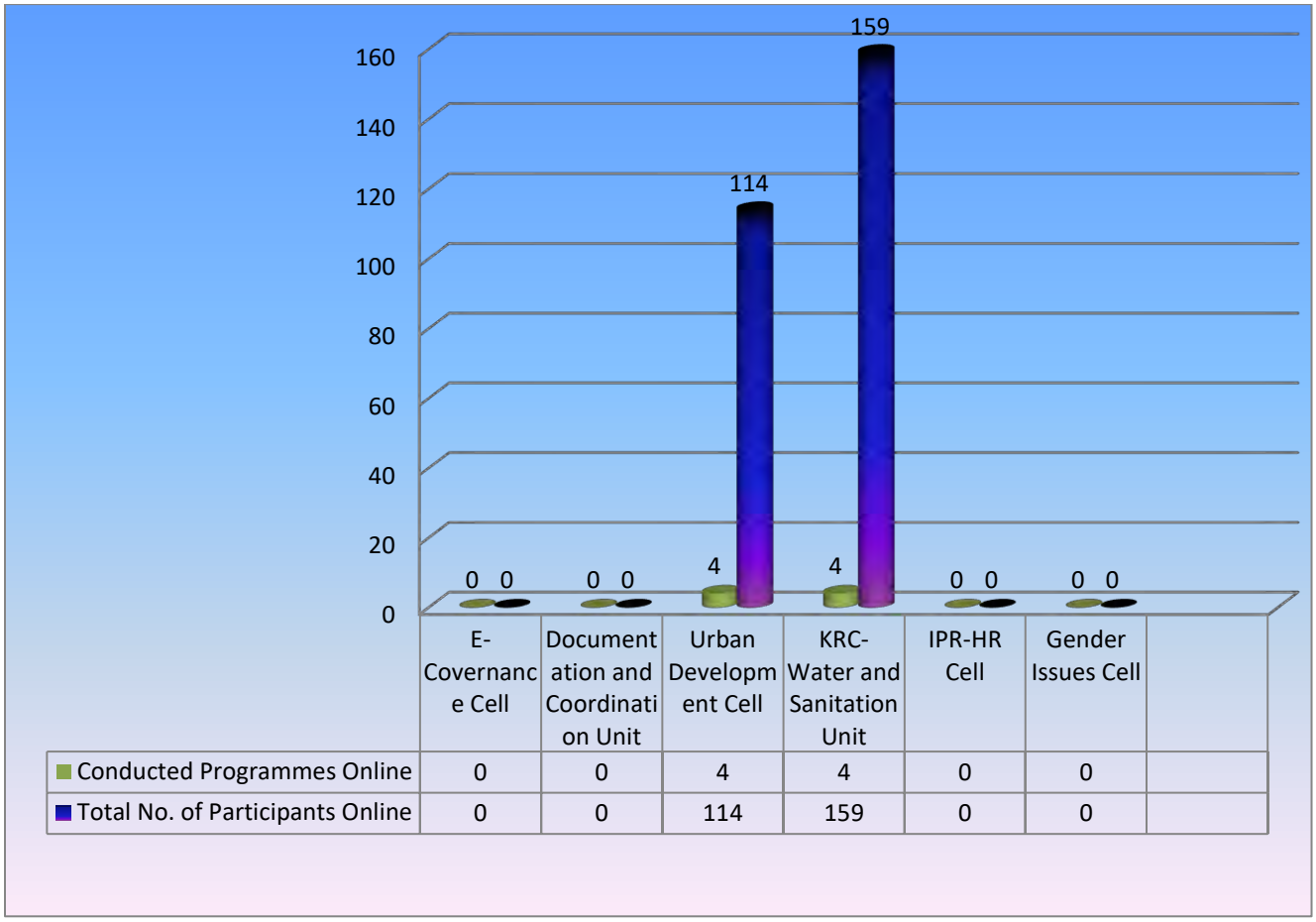

	E-Covernance Cell	Documentation and Coordination Unit	Urban Development Cell	KRC-Water and Sanitation Unit	IPR-HR Cell	Gender Issues Cell	
Conducted Programmes Online	0	0	4	4	0	0	
Total No. of Participants Online	0	0	114	159	0	0	

Category Wise Training Programmes of CGG (Offline) (2021-2022)

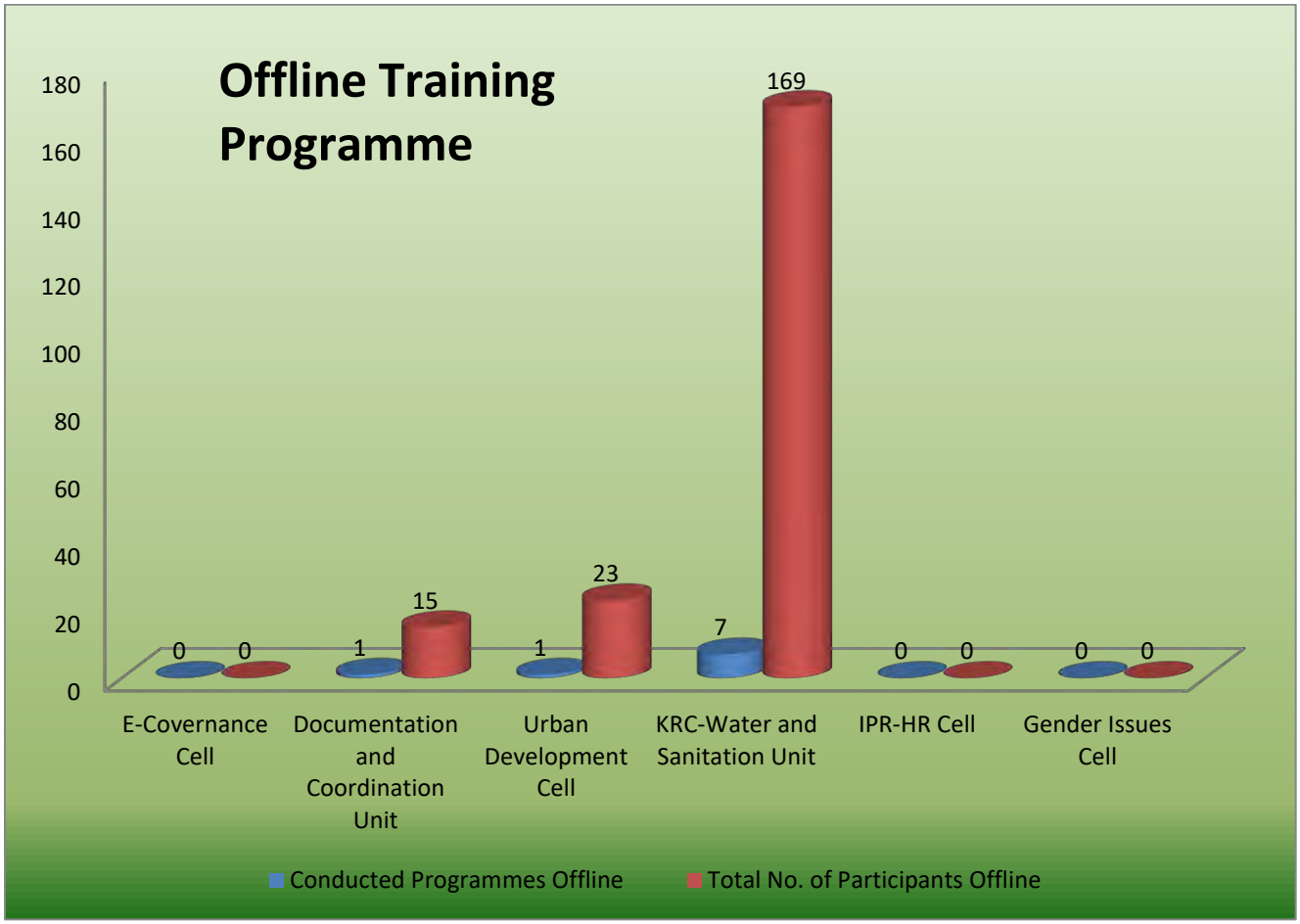

Gender-wise No. of Participants
(2021-2022)

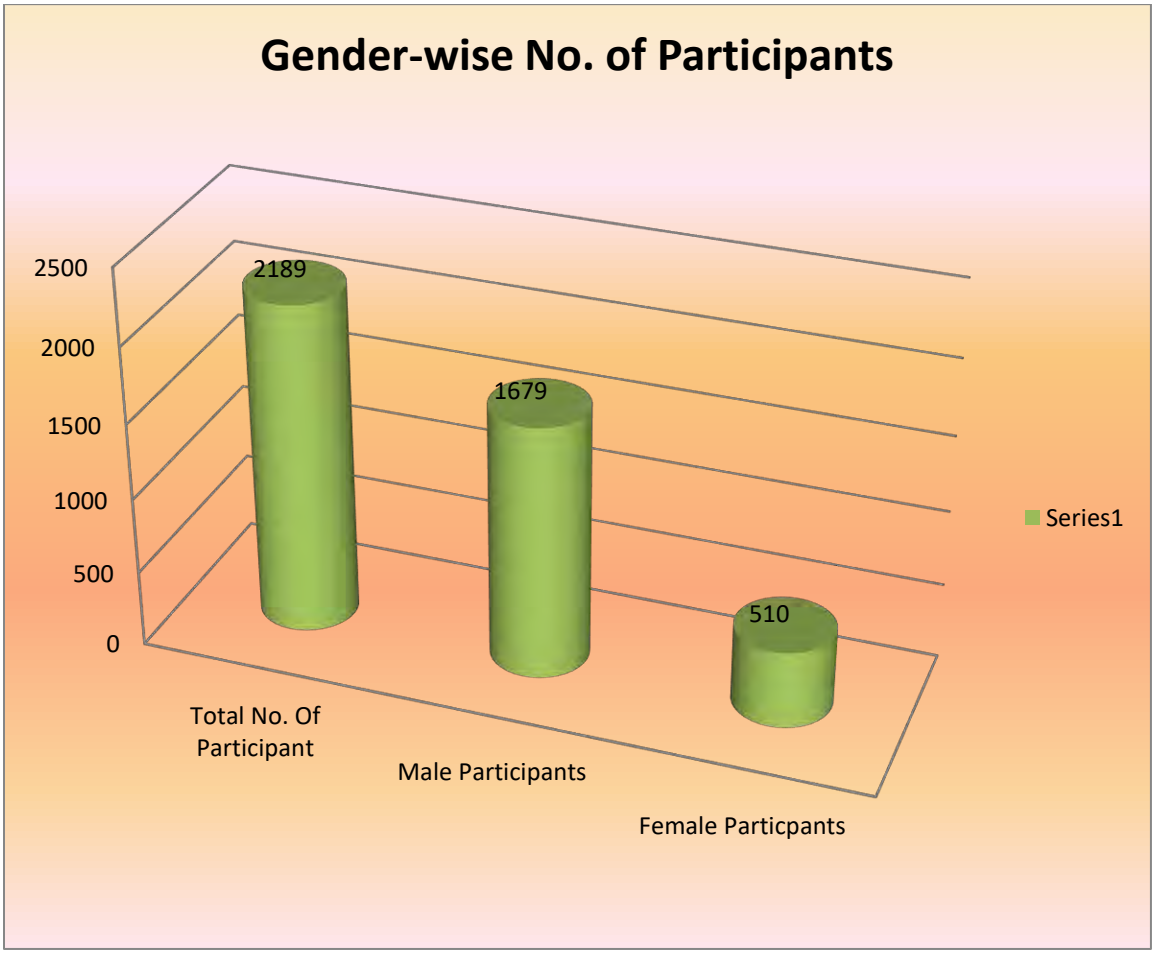

State-wise No. of Participants
(2021-2022)

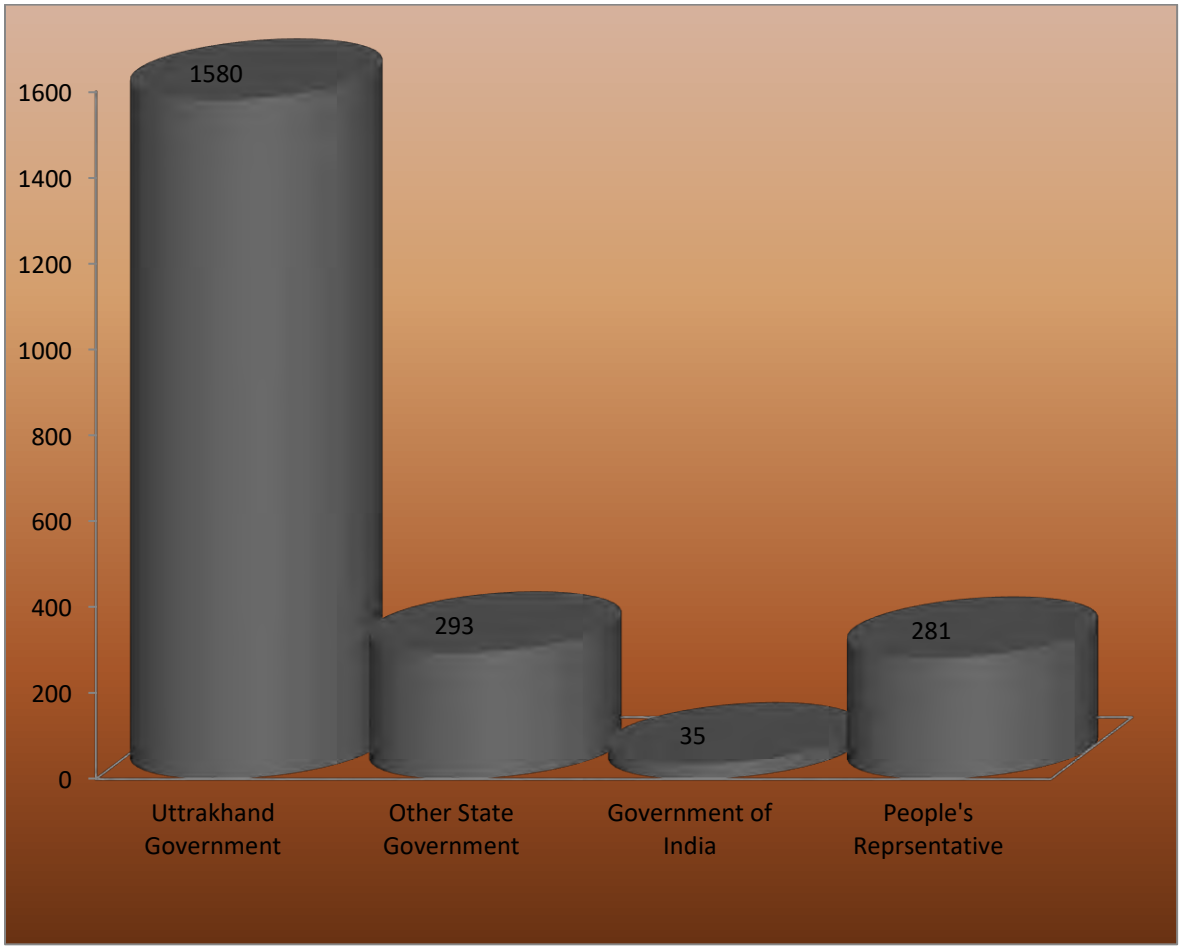

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समूह चित्र

एवं

प्रशिक्षण गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

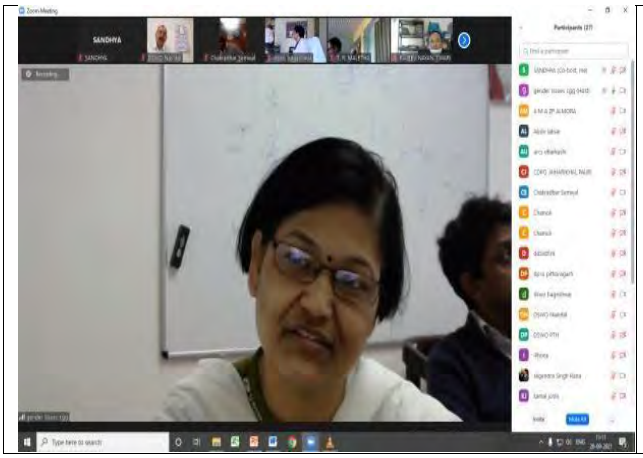

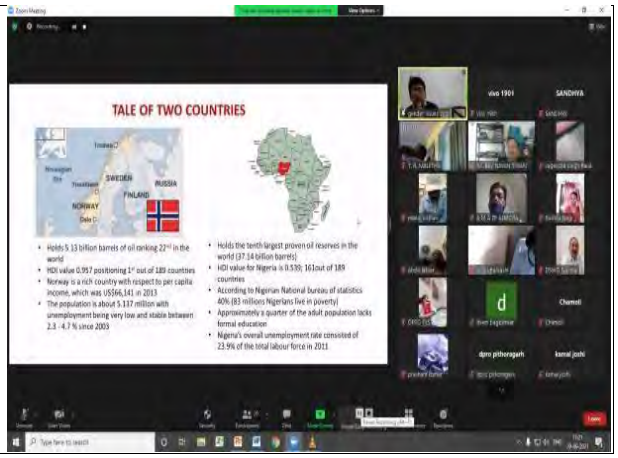

Design of Training

21-25 September, 2021

50th INDUCTION COURSE for JE's of PWD Department

24 SEPTEMBER 23 OCTOBER 2021

44th Induction Training Programme for DESTOs

01-30 Octomber, 2021

Online training programme on Birth and Death Registration and its impact on Nation Building

09-11 Octomber, 2021

Computer Application in Office

15-19 November, 2021

Course on Connecting Organisational and Individual Value

29.11-01.12.2021

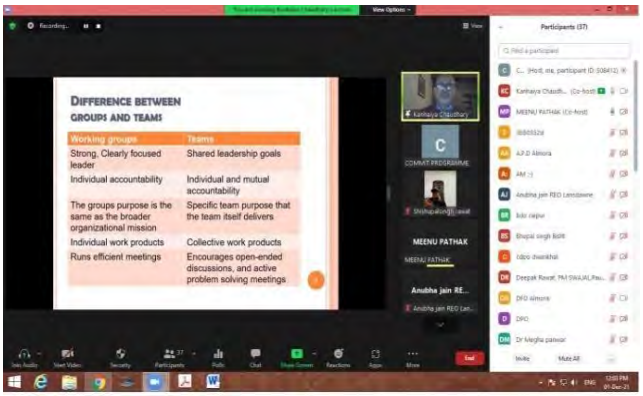

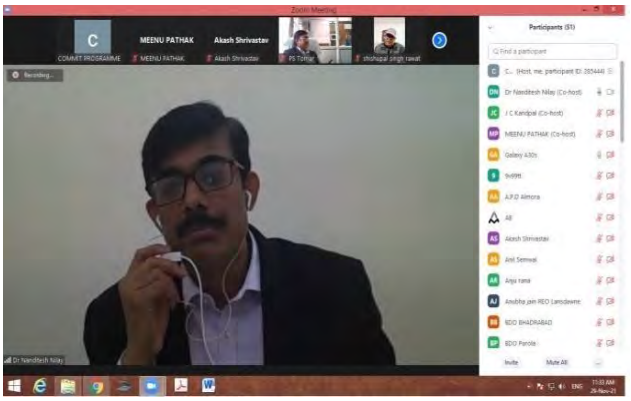

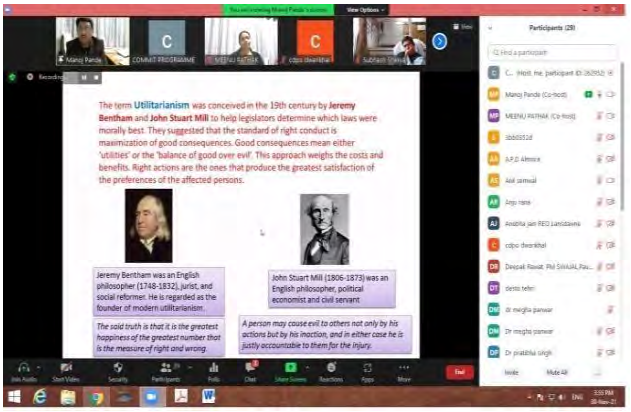

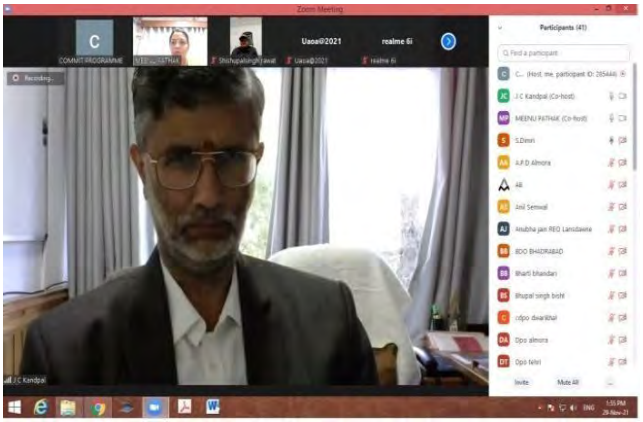

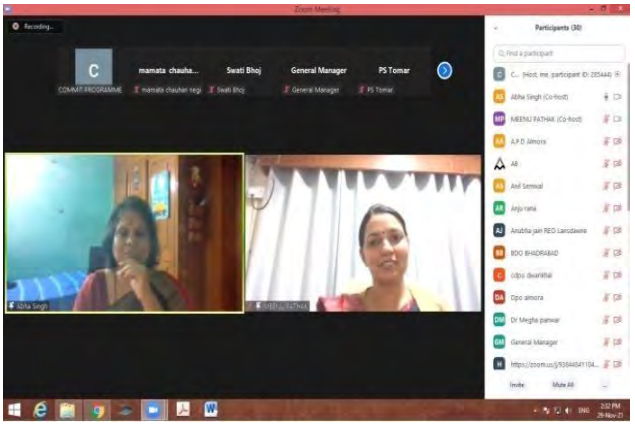

Capacity Building Training for Integrated Water Resources Management
for Water Resource Engineers and Managers
20-24 December, 2021

Sustainable Development Managed Water Supply and Sanitation
03 - 05 January, 2022

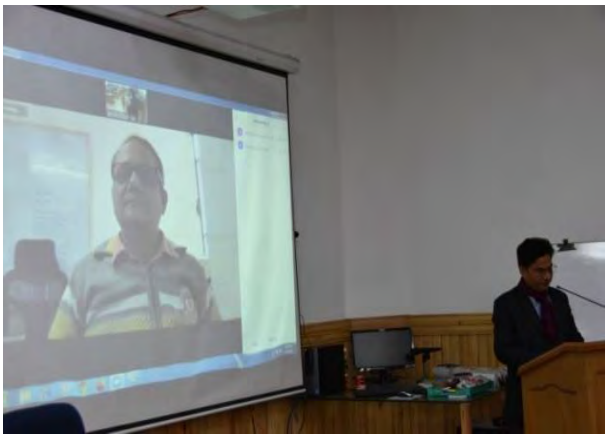

Workshop on Project Formulation
28-30 March, 2022

National Level Training programme on "Participatory Planning Implementation and O&M: Har Ghar Jal" for Level-II officers

Training on Citizen Charter and Right to Service Act

First Special Induction Course

Second Special Induction Course

"Sustainable Development-Managed Water Supply and Sanitation" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 03 से 05 जनवरी, 2022

जनपद स्तरीय जिला होम्योपैथिक चिकितधिकारियों (आहरण–वितरण अधिकारियों) हेतु छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 28 फरवरी से 05 मार्च, 2022

Disasters

वित्तीय वर्ष 2021–22 तथा
वर्तमान में अकादमी के निदेशक एवं संकाय सदस्य

Business Communication, Behavioural Training and Gender related Issues. In the past, he has conducted MDPs/EDPs/FDPs for corporate as well as academic institutions. He is ACE qualified approved assessor for Soft Skills from DGET (MoSDE), GoI under the Modular Employability Skills (MES). He has also been empanelled in the list of Guest/Visiting Faculty of various academic /training institutes such as Indira Gandhi National Open University (IGNOU) New Delhi, Institute of Secretariat Training & Management (ISTM) New Delhi, Indian Society for Training & Development (ISTD) and other Management and Technical Institutions in Delhi NCR. He is life member and has professional affiliations with Indian Society for Training & Development (ISTD), All India Management Association (AIMA), Delhi Management Association (DMA), National HRD Network (NHRDN) and National Institute of Personnel Management (NIPM).

वर्ष 2021–22 में

डॉ. आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

S.No.	Programme Category	No. of Programme	No. of Participants
1.	**Trainer Development Programme- (TDP) - DoPT**	**09**	**131**
2.	**State Category Training Programme – (SCTP) DoPT**	**19**	**570**
3.	**Other Government of India Training Programmes (IFS)**	**01**	**35**
4.	**State Government Training Programme (Induction/Foundation/ Professional and Other Programmes**	**14**	**295**
5.	**Disaster Management Cell (Other than TDP/SCTP)**	**13**	**640**
	TOTAL	**56**	**1671**

Trainer Development Programme (TDP)

S.No.	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	Direct Trainer Skills (DTS)	1-Week	8/11/2021	12/11/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director (Computer)	17
2.	Design of Training (DoT)	1-Week	06/12/2021	10/12/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	10
3.	Direct Trainer Skills (DTS)-State	1-Week	22/11/2021	26/11/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	12
4.	Mentoring Skills	3-Days	25/10/2021	27/10/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director (Computer)	9
.5.	Direct Trainer Skills (DTS)	1-Week	06/12/2021	10/12/2021	Dinesh Kumar Rana Dy.Director (Finance)	24
6.	Design of Training (DoT)	1-Week	13/12/2021	17/12/2021	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	11
7.	Evaluation of Training (EoT)	1-Week	27/12/2021	31/12/2021	J.C.Kandpal Dy.Director (Administration)	16
8.	Training Needs Analysis (TNA)	1-Week	06/09/2021	11/09/2021	Dinesh Kumar Rana Dy.Director (Finance)	17
9.	Design Of Training (DoT)	1-Week	20/09/2021	24/09/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	14
Total number of Participants						**131**
Total number of Programmes						**09**

State Category Training Programme (SCTP) Sponsored by DoPT, Government of India:-

1.	Disaster preparation and mitigation strategies in Urban Area	3-Dyas	20/9/2021	22/9/2021	**Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell**	28 Online
2.	The Role of PPP in affordable housing issues challenges and way forward	3-Days	25/10/2021	27/10/2021	**Manoj Pandey Incharge:UDC**	Online 31
3.	Gender equality and gender mainstreaming in workplace	3-Days	26/8/2021	28/8/2021	**Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell**	Online 53
4.	Capacity building training for Integrated Water Resources Management for Water Resource Engineers and Managers	1-Week	20/12/2021	24/12/2021	**Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cell**	**Face to Face** 19
5.	The Role of community participation in sustainable solid waste management	3-Days	10/11/2021	12/11/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 24
6.	Sustainable Development-Managed Water Supply and Sanitation	3-Days	03/01/2022	05/01/2022	Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cell	Face to Face 40
7.	Gender in programming issues and our organizational culture	3-Days	21/10/2021	23/10/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	Online 24
8.	Computer application in Office	1-Week	15/11/2021	19/11/2021	Vivek Kumar Singh Dy.Director (Computer	Face to Face 22
9.	Women empowerment and participation in urban development	3-Days	07/07/2021	09/07/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 29
10.	Training on citizen charter and right to service act	3-Days	29/11/2021	01/12/2021	J.C.Kandpal Dy.Director (Administration)	F/F 22
11.	Birth and Death registration and its impact on nation Building	3-Days	09/08/2021	11/08/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	Online 26
12.	Creating sustainable cities and communities with a special focus on	3-Days	09/08/2021	11/08/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Online 34

	hilly areas					
13.	Connecting organizational and Individual Values in the workplace.	3-Days	29/11/2021	01/12/2021	Mrs. Meenu Pathak Nodal Officer:COMMIT	Online 44
14.	Sexual Harassment at the Workplace	3-Days	25/11/2021	27/11/2021	Dr.Sanjeev Kumar Arya Assistant Director (BS)	Online 30
15.	Role of women in agriculture and gender specific agriculture policy.	3-Days	06/09/2021	08/09/2021	Dr. Manju Pandey Incharge-Gender Cell	Online 55
16.	Right to information and right to service	3-Days	20/09/2021	22/09/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Economics)	23 Online
17.	New initiatives in urban financing: credit rating, municipal bonds and value capture financing	3-Days	25/11/2021	27/11/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Development Cell	Face to Face 24
18.	Workshop on Project Formulation	3-Days	28/3/2022	30/3/2022	Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cel	Face to Face 19
19.	Workshop on Project Formulation	3-Days	28/3/2022	30/3/2022	Mr. Manvar Singh Consultant: Gender Issues Cel	Face to Face 23
Total number of Participants						**570**
Total number of Programmes						**19**

Other Government of India Training Programmes (IFS)

1.	Good Governance in the forestry sector: learning from India and abroad (IFS)	1-Week	23/08/2021	27/8/2021	Manoj Pandey Incharge:Urban Cell	35
Total number of Participants						**35**
Total number of Programmes						**01**

State Government Programmes:-

1.	13th One week refresher course for Village Panchayat Officers	1-Week	05/04/2021	10/04/2021	Poonam Pathak Dy.Director (Eco)	34
2.	Departmental Examinations for Dy. SP and Tahshildars		13/7/2021	15/07/2021	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	02
3.	19th Professional Course for IAS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre	12 Weeks	16/08/2021	06/11/2021	Sanjay Kumar Joint Director & V.K.Singh Dy. Director	02
4.	12th Professional Course for IFS Probationary Officers of Uttarakhand Cadre	5-Weeks	16/08/2021	18/09/2021	Sanjay Kumar Joint Director & V.K.Singh Dy. Director	02
5.	Departmental Examinations for Dy. SP and Tahshildars/Sub-Registrars	3-Days	02/08/2021	04/08/2021	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	11
6.	Administrative and Financial Training programme for Medical Officers	5-Weeks	30/08/2021	03/09/2021	Dinesh Kumar Rana Dy. Director (Finance)	19
7.	49th Induction Training Programme for JE's of Irrigation Department, Uttarakhand (Conducted 16-24.04.2021 *[Remaining 21 days]*	1-Month	16/04/2021 01/9/2021	24/04/2021 21/9/2021	Rekha Kohli Dy.Director & Sanjeev Kumar Arya Assistant Director	42
8.	50th Induction Training Programme for JE's of Public Works Department, Uttarakhand	1-Month	24/9/2021	23/10/2021	Dinesh K Rana Dy.Director & N.S. Nagnayal Dy. Director	28
9.	44th Induction Training Programme for Arth avm Sankhya adhikari, (DSTO)	1-Month	01/10/2021	30/10/2021	Poonam Pathak Dy. Director	11
10.	Orientation Training Programme: for APS of Uttarakhand Secretariat	2-Weeks	29/11/2021	11/12/2021	V.K.Singh Dy.Director (Computer)	41
11.	2-Weeks Special Induction Training Programme for Ministerial Employees of Collectorate (State)	2-weeks	13/12/2021	25/12/2021	J.C. Kandpal, Dy. Director (Admin)	34

12.	Two days Orientation curse for IPS Officers	2-Days	5/1/2022	6/1/2002	V.K.Singh Dy. Director (Computer)	1
13.	2-Weeks Special Induction Training Programme for Ministerial Employees of Collectorate (State)	2-weeks	14/03/2022	26/03/2022	J.C. Kandpal, Dy. Director (Admin)	35
14.	Administrative and financial training for Medical officers	6-Days	21/03/2022	25/3/2022	Poonam Pathak Dy.Director	24
Total number of Participants						**295**
Total number of Programmes						**14**

Disaster Management Cell

1.	COVID-19: Issues and Challenges	1-Day	17/06/2021	17/06/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	70 Online
2.	Mainstreaming DRR in to Hospital Disaster Management Plan	3-Days	26/07/2021	28/07/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	50 Online
3.	Gender and Disaster	3-Days	23/08/2021	25/08/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	46 Online
4.	Role of PRI in Disaster Management (CHAMOLI)	1-Week	06/09/2021	10/09/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	58 Outreach F/F
5.	Role of PRI in Disaster Management (POURI)	1-Week	13/09/2021	17/09/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	48 Outreach F/F
6.	Role of PRI in Disaster Management (Almora)	5-Days	04/10/2021	08/10/2021	Dr. Manju Pandey DMC	42 OUTREACH F/F
7.	Urban Risk Mitigation-Making cities resilience	3-Days	11/10/2021	13/10/2021	Dr. Manju Pandey DMC	40 ONLINE
8.	Role of PRI in Disaster Management	3-Days	11/11/2021	15/11/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	F/F 34

9.	Role of PRI in Disaster Management	3-Days	11/11/2021	15/11/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	F/F 17
10.	Role of PRIs in Disaster management	1-Week	3/12/2021	7/12/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	Outreach Dehradun F/F 41
11.	Role of PRIs in Disaster management	1-Week	13/12/2021	17/12/2021	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	Outreach Uttarkashi F/F 42
12.	Cold Wavw Precautions and Preparedness: Webinar	1-Day	28/1/2022	28/1/2022	Dr. Om Prakash Inchareg-DMC	107
13.	Disaster Management :School safety action Plan	3-Days	7/3/2022	9/3/2022	Dr. Manju Pandey DMC	45 Online
Total number of Participants						**640**
Total number of Programmes						**13**

GRAND TOTAL

Grand Total number of Participants Under Academy	**1671**
Total number of Programmes Under Academy	**56**

वर्ष 2021–22 में

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स,

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा आयोजित

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

S.No.	CGG Units	No. of Programme	No. of Participants
1.	**Documentation and Coordination Unit**	**01**	**15**
2.	**Urban Development Cell**	**06**	**167**
3.	**KRC-Water and Sanitation Unit**	**11**	**328**
	TOTAL	**17**	**518**

Documentation and Coordination Cell

	Name of the Training Programme	Duration	From	To	Course Director / Coordinator	No. of Participants
1.	Orientation Course for Homeopathic Doctors (DDos)	6-Days	28.2.2022	5.3.2022	N.S.Nagnayal Manwar Singh	15
Total number of Participants						**15**
Total number of Programmes						**01**

Urban Development Cell

1.	Orientation Programme on FSSM (National)	2-Days	08/04/2021	09/04/2021	Manoj Pandey	33
2.	Orientation Programme on FSSM (National)	2-Days	15/04/2021	16/04/2021	Manoj Pandey	26
3.	Orientation Programme on FSSM (National)	2-Days	22/04/2021	23/04/2021	Manoj Pandey	31
4.	Service Delivery/Functionality of FHTCs (JJM) (Face to Face)	2-Days	12/10/2021	13/10/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	23
5.	ITCN Consultative Workshop (Online)	1-Day	03/01/2022	03/01/2022	Manoj Pandey Incharge:UDC	67 Online
Total number of Participants						**167**
Total number of Programmes						**05**

Key Resource Centre

1.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi	2-Days	09/09/2021	10/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	97

	and other public institutions and ground water recharging (National)					
2.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	15/09/2021	16/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	50
3.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	23/09/2021	24/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	58
4.	Integrated water resources management for Spring shed Rain water harvesting structure including school and agnawadi and other public institutions and ground water recharging (National)	2-Days	27/09/2021	28/09/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC Dr. Om Prakash Asso. Prof. DMC	35
5.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal	1-Week	25/10/2021	29/10/2021	Geeta Kandpal Incharge:KRC	25

	(National Level)					
6.	Orientation of JAL JEEWAN Mission for Level-1 Officers (State Lvel)	3-Days	16/11/2021	18/11/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	20
7.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal (National Level)	1-Week	22/11/2021	26/11/2021	Manoj Pandey Incharge:UDC	21
8.	Orientation of JAL JEEWAN Mission for Level-2 Officers (State Level)	3-Days	10/12/2021	12/12/2021	Manvar Singh Consultant:Gender Issues	23
9.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal (National Level)	1-Week	03/01/2022	07/01/2022	Manoj Pandey Incharge:UDC	33
10.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal	1-Week	07/03/2022	11/03/2022	Poonam Pathak Dy.Director	25
11.	Participatory Planning implementation and O & M Har Ghar Jal (National Level)	1-Week	21/03/2022	25/03/2022	Manoj Pandey	22
Total number of Participants						**328**
Total number of Programmes						**11**

GRAND TOTAL

Grand Total number of Participants Under CGG	**518**
Total number of Programmes Under CGG	**17**

For further details please contact / write to :
Coordinator, T.C.U.,
Dr. R.S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration
Ardwell Camp, Mallital, Nainital, Uttarakhand - 263001
Tel. : 05942-235011, 236068, 236149 Fax : 05942-237642
Website : www.uaoa.gov.in E-mail : tcu@uaoa.in